हिन्दी साप्ताहिक

राष्ट्रीय क्राइम नज़र

नया नज़रिया, नई सोंच

2 साहित्य से डरती सत्ता | 4 कोलकाता में चमका... | 6 करतारपुर गलियारा खोलनो... | 8 नो मेकअप में ऐसी...

रविवार, 10 नवम्बर 2019, लखनऊ | crimenazarnews@gmail.com | वर्ष 10, अंक 04, पृष्ठ 8, मूल्य – 2 रुपये | R.N.I:-UPHIN/2010/35797

मन्दिर वहीं बनेगा

संविधान पीठ ने अपने 1045 पन्नों के फैसले में रामलला को सौंपी विवादित जमीन, मस्जिद के लिए पांच एकड़ जमीन

नयी दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को सर्वसम्मति के फैसले में अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त कर दिया और केंद्र को निर्देश दिया कि नयी मस्जिद के निर्माण के लिए सुन्नी वक्फबोर्ड को प्रमुख स्थान पर पांच एकड़ का भूखंड आवंटित किया जाये. प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस व्यवस्था के साथ ही राजनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील एक सदी से भी अधिक पुराने इस विवाद का पटाक्षेप कर दिया.उप्र सुन्नी वक्फ बोर्ड ने इस निर्णय पर असंतोष व्यक्त करते हुए कहा कि वह इस पर पुनर्विचार के लिए याचिका दायर करेगा. संविधान पीठ के अन्य सदस्यों में न्यायमूर्ति एस ए बोबडे, न्यायमूर्ति धनन्जय वाई चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति अशोक भूषण और न्यायमूर्ति एस अब्दुल नजीर शामिल हैं. संविधान पीठ ने अपने 1045 पन्नों के फैसले में कहा कि नयी मस्जिद का निर्माण 'प्रमुख स्थलश् पर किया जाना चाहिए. साथ ही उस स्थान पर मंदिर

निर्माण के लिए तीन महीने के भीतर एक ट्रस्ट गठित किया जाना चाहिए जिसके प्रति हिंदुओं की यह आस्था है कि भगवान राम का जन्म यहीं हुआ था. मामले में 40 दिन तक चली मैराथन सुनवाई शीर्ष अदालत के इतिहास में दूसरी सबसे लंबी सुनवाई रही. न्यायमूर्ति गोगोई 17 नवंबर को सेवानिवृत्त होने वाले हैं. इस स्थान पर 16वीं सदी की बाबरी मस्जिद थी जिसे कारसेवकों ने छह दिसंबर, 1992 को गिरा दिया था. विवादित स्थल गिराये जाने की घटना के बाद देश में सांप्रदायिक दंगे भड़क गए थे. पीठ ने कहा कि 2.77 एकड़ की विवादित भूमि का अधिकार राम लला विराजमान को सौंप दिया जाये, जो इस मामले में एक वादकारी हैं. हालांकि यह भूमि केंद्र सरकार के रिसीवर के कब्जे में ही रहेगी. इसने कहा, ''हिंदुओं का यह विश्वास अविवादित है कि विवादित स्थल पर ही भगवान राम का जन्म हुआ था. न्यायालय ने कहा कि हिंदू यह साबित करने में सफल रहे हैं कि विवादित ढांचे के बाहरी बरामदे पर उनका कब्जा था और उप्र सुन्नी वक्फबोर्ड अयोध्या विवाद में अपना मामला साबित करने में विफल रहा है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फैसले के मद्देनजर देशवासियों से शांति और सौहार्द बनाए रखने की अपील की तथा कहा कि फैसले को किसी की हार-जीत के रूप में नहीं देख जाना चाहिए. संविधान पीठ ने यह माना कि विवादित स्थल के बाहरी बरामदे में हिंदुओं द्वारा व्यापक रूप से पूजा-अर्चना की जाती रही है और साक्ष्यों से पता चलता है कि मस्जिद में शुक्रवार को मुस्लिम नमाज पढ़ते थे जो इस बात का सूचक है कि उन्होंने इस स्थान पर कब्जा छोड़ा नहीं था.शीर्ष अदालत ने कहा कि मस्जिद में नमाज पढ़ने में बाधा डाले जाने के बावजूद साक्ष्य इस बात के सूचक है कि वहां नमाज पढ़ना बंद नहीं हुआ था. न्यायालय ने कहा कि पुरातत्व सर्वेक्षण के साक्ष्यों को महज राय बताना इस संस्था के साथ अन्याय होगा. पीठ ने कहा कि विवादित ढांचे में ही भगवान राम का जन्म होने के बारे में हिन्दुओं की आस्था अविवादित है. यही नहीं, सीता रसोई, राम चबूतरा और भण्डार गृह की उपस्थिति इस स्थान के धार्मिक तथ्य की गवाह हैं. हालांकि, न्यायालय ने कहा कि सिर्फआस्था और विश्वास के आधार पर मालिकाना हक स्थापित नहीं किया जा सकता और ये विवाद का निबटारा करने में सूचक हो सकते हैं. संविधान पीठ ने 2.77 एकड़ विवादित भूमि तीन पक्षकारों- सुन्नी वक्फबोर्ड, निर्मोही अखाड़ा और राम लला विराजमान- के बीच बराबर-बराबर बांटने के इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सितंबर, 2010 के फैसले के खिलाफदायर 14 अपीलों पर 16 अक्टूबर को सुनवाई पूरी की थी.पीठ ने कहा कि उच्च न्यायालय ने विवादित भूमि तीन हिस्सों में बांटने का रास्ता अपनाकर गलत तरीके से मालिकाना हक के मामले का फैसला किया. न्यायालय ने कहा, ''विवादित भूमि राजस्व रिकॉर्ड में सरकारी जमीन है. इसने कहा, ''यह तथ्य कि नष्ट ढांचे के नीचे मंदिर था, भारतीय पुराततव सर्वेक्षण (एएसआई) की रिपोर्ट से स्थापित हुआ है और नीचे का ढांचा कोई इस्लामी ढांचा नहीं था.

ऐतिहासिक फैसले का मैं स्वागत करता हूं-नाईक

लखनऊ उत्तर प्रदेश के पूर्व राज्यपाल और राम नाईक ने अयोध्या के जमीन विवाद पर उचचतम न्यायालय के आये फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने मुम्बई से जारी बयान में कहा ऐतिहासक फैसले का मैं स्वागत करता हूं। राम राज्य में जिस तरह हर नागरिक संतोष से रहता था उसी तरह उच्चतम न्यायालय के पैसले से सभी का समाधान होगा lनाईक ने कहा कि मुस्लिम समाज को मस्जिद के लिये पांच एकड़ जमीन देने का फैसला भी स्वागत के लायक है। नाईक ने कहा कि इस देश के लोगों के डीएनए में ही राम हैं। रूवंय मुझे भी संतोष की मंदिर वहीं बनायेंगे। इस संकल्प को पूरा करना सहज है।

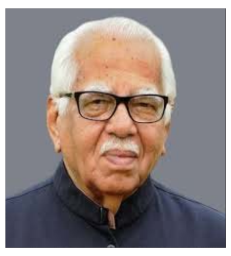

फैसले का अनुपालन करना चाहिए जल्द से जल्द-जोशी

नयी दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने शनिवार को अयोध्या मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले को सभी पक्षों से स्वीकार करने की अपील करते हुए कहा है कि फैसले का अनुपालन जल्द से जल्द किया जाना चाहिये. जोशी ने अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने वर्षों से चल रहे विवाद का पटाक्षेप किया है. इस फैसले को सर्वमान्य और सर्वस्वीकार्य रूप में देखते हुये इसका पालन किया जाना चाहिये.जोशी ने उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनाये गये इस फैसले को पंचपरमेश्वर का आदेश बताते हुए देशवासियों से अपील की है कि पंच परमेश्वर का आदेश मानकर इसे सभी लोग स्वीकार करें. उन्होंने सुझाव दिया कि इस फैसले का अनुपालन जल्द से जल्द किया जाना चाहिये. उच्चतम न्यायालय की संविधान पीठ ने शनिवार को सर्वसम्मति से अपने फैसले में अयोध्या में विवादित स्थल पर राम मंदिर निर्माण की राहें खोल दीं और उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी में एक ''प्रमुख जगह पर नयी मस्जिद के निर्माण के लिये पांच एकड़ वैकल्पिक जमीन सुन्नी वक्फ बोर्ड को आवंटित करने का केंद्र को निर्देश दिया.

मेरे रुख की पुष्टि हुई, मैं खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं

नयी दिल्ली। राम जन्मभूमि आंदोलन के शिल्पकार एवं भाजपा के वयोवृद्ध नेता लाल कृष्ण आडवाणी ने शनिवार को कहा कि वह पूरे दिल से अयोध्या मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के आए फैसले का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा कि उनके रुख की पुष्टि हुई है और वह खुद को धन्य मानते हैं। आडवाणी ने बयान जारी कर कहा, ''अयोध्या के मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ की ओर से दिए गए ऐतिहासिक फैसले का खुले दिल से स्वागत करने के लिए मैं देशवासियों के साथ खड़ा हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं अपने रुख पर कायम हूं और खुद को धन्य महसूस कर रहा हूं कि उच्चतम न्यायालय ने एकमत से अयोध्या में राम जन्मभूमि पर भव्य राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ किया।''

पुनर्विचार याचिका दायर नहीं की जाए: बुखारी

नयी दिल्ली दिल्ली स्थित जामा मस्जिद के शाही इमाम सैयद अहमद बुखारी ने शनिवार को कहा कि अयोध्या मामले को अब आगे नहीं बढ़ाना चाहिए और उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने की जरूरत नहीं है .उन्होंने यह उम्मीद भी जताई कि अब देश में सांप्रदायिक तनाव के लिए जगह नहीं होगी और आगे से ऐसे मुद्दों को हवा नहीं दी जाएगी. बुखारी ने संवाददाताओं से कहा, ''मैंने पहले भी कहा था कि देश कानून और संविधान के अमल पर चलता है. 134 साल से चल रहे विवाद का अंत हुआ. पांच सदस्यीय पीठ ने निर्णय लिया. गंगा जमुनी संस्कृति और सद्भाव को देखते हुए कि यह प्रयास करना होगा कि आगे देश को इस तरह के विवाद से नहीं गुजरना पड़े.

गुरु नानक देव सिर्फ सिख पंथ के ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के हैं धरोहर- मोदी

अमृतसर। डेरा बाबा नानक के कार्यक्रम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने संबोधित करते हुए कहा कि आज इस पवित्र धरती पर आकर मैं धन्यता का अनुभव कर रहा हूं। मेरा सौभाग्य है कि मैं आज देश को करतारपुर साहब कॉरिडोर समर्पित कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि मैं आप सभी को, देश और दुनिया में बसे सभी सिख भाई-बहनों को करतारपुर कॉरिडोर के उद्घाटन के अवसर पर हार्दिक बधाई देता हूं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि इस कॉरिडोर के बनने के बाद अब गुरुद्वारा दरबार साहब के दर्शन आसान हो जाएंगे। मैं पंजाब सरकार का, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी का इस कॉरिडोर को तय समय में बनाने वाले हर श्रमिक साथी का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करता हूं।

शाह ने अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का किया स्वागत

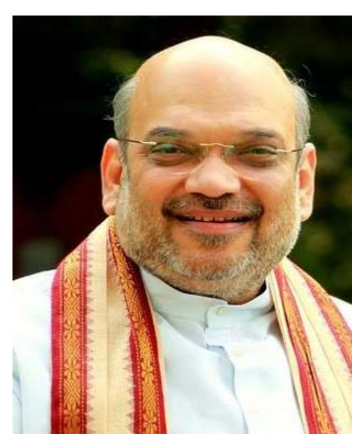

नई दिल्ली। अयोध्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि मैं सभी समुदायों और धर्म के लोगों से अपील करता हूं कि हम इस निर्णय को सहजता से स्वीकारते हुए शांति और सौहार्द से परिपूर्ण 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के अपने संकल्प के प्रति कटिबद्ध रहें।

अमित शाह ने ट्वीट करते हुए कहा कि दशकों से चले आ रहे श्री राम जन्मभूमि के इस कानूनी विवाद को आज इस निर्णय से अंतिम रूप मिला है। मैं भारत की न्याय प्रणाली व सभी न्यायमूर्तियों का अभिनन्दन करता हूं। उन्होंने आगे कहा कि श्री राम जन्मभूमि कानूनी विवाद के लिए प्रयासरत; सभी संस्थाएं, पूरे देश का संत समाज और अनगिनत अज्ञात लोगों जिन्होंने इतने वर्षों तक इसके प्रयास किया मैं उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ। आपको बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में विवादित स्थल राम जन्मभूमि पर मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हुये केन्द्र सरकार को निर्देश दिया कि सुन्नी वक्फ बोर्ड को अयोध्या में ही मस्जिद के निर्माण के लिए पांच एकड़ भूमि आवंटित की जाए।

योगी ने अयोध्या फैसले का किया स्वागत

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए शनिवार को कहा कि देश की एकता और सद्भावना बनाए रखने में सभी सहयोग करें। सीएम योगी ने ट्वीट कर लिखा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का स्वागत है, देश की एकता व सद्भाव बनाए रखने में सभी सहयोग करें, उत्तर प्रदेश में शांति, सुरक्षा और सद्भाव का वातावरण बनाए रखने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है। वहीं इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर कहा कि यह फैसला न्यायिक प्रक्रियाओं में जन सामान्य के विश्वास को और मजबूत करेगा। हमारे देश की हजारों साल पुरानी भाईचारे की भावना के अनुरूप हम 130 करोड़ भारतीयों को शांति और संयम का परिचय देना है। भारत के शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की अंतर्निहित भावना का परिचय देना है। बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट के 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अयोध्या विवाद पर फैसला सुनाते हुए 2.77 एकड़ विवादित जमीन रामलला विराजमान को देने का आदेश दिया है। इसके साथ ही मुस्लिम पक्ष को मस्जिद निर्माण के लिए 5 एकड़ वैकल्पिक जमीन अयोध्या में ही कहीं और आवंटित करने का भी आदेश सरकार को दिया है।

अयोध्या में राम मंदिर निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम है सुप्रीम कोर्ट का फैसला- विहिप

नयी दिल्ली। विश्व हिंदू परिषद ने शनिवार को अयोध्या भूमि विवाद में उच्चतम न्यायालय के फैसले को 'भव्य' राम मंदिर के निर्माण की दिशा में निर्णायक कदम बताया और केंद्र सरकार से शीर्ष अदालत द्वारा जारी निर्देशों पर त्वरित कदम उठाने का आग्रह किया। विहिप के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। यह पूछे जाने पर कि क्या उनका संगठन अब काशी (वाराणसी) और मथुरा मुद्दों को उठायेगा, इसके जवाब में उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय का फैसला कहानी का अंत नहीं है बल्कि इसकी शुरुआत है।

विहिप 1984 में रामजन्मभूमि आंदोलन में शामिल हुआ था और इसके साथ-साथ वह वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद और मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से संबंधित मुद्दा उठाता रहा है। उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को ऐतिहासिक फैसले में अयोध्या में विवादित स्थल पर एक ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर निर्माण का समर्थन किया और शहर में एक प्रमुख स्थान पर मस्जिद के निर्माण के लिये वैकल्पिक पांच एकड़ जमीन देने का आदेश दिया। उन्होंने हालांकि कहा कि फिलहाल विहिप का ध्यान अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण पर केंद्रित है और अन्य मांगों को उठाने का अभी उसके पास वक्त नहीं है। कुमार ने कहा, ''काशी और मथुरा के बारे मैं निश्चित रूप से यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि उच्चतम न्यायालय का आदेश कहानी का अंत नहीं है बल्कि यह तो शुरुआत है।'' उन्होंने कहा कि यह अहम फैसला श्रीराम के भव्य मंदिर के निर्माण की दिशा में एक ''महत्वपूर्ण और निर्णायक कदम'' है, जिसके जल्द निर्मित होने की संभावना है।

कुमार ने फैसले की प्रशंसा की और इसे दुनिया में ''सबसे बड़ा न्यायिक फैसला'' बताया। उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों ने बहुत अच्छी तरह अपनी जिम्मेदारी निभायी। उन्होंने उम्मीद जतायी कि अयोध्या में जल्द एक भव्य राम मंदिर बनेगा और दावा किया कि मंदिर के लगभग 60 प्रतिशत खंभे और बीम पहले से ही तैयार हैं। उन्होंने कहा, ''हमलोग केंद्र सरकार से उच्चतम न्यायालय के निर्देशों पर अयोध्या में भव्य राम मंदिर के निर्माण की दिशा में त्वरित कदम उठाने की अपेक्षा करते हैं।'' कुमार ने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसले से दुनियाभर में हिंदू खुश हैं।

किसी भी समुदाय के लोग ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे दूसरे समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचे: अखिलेश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि रामजन्म भूमि-बाबरी मस्जिद का निर्णय भारत वर्ष के इतिहास में एतिहासिक निर्णय के रूप में याद रखा जाएगा। उम्मीद है कि किसी भी समुदाय के लोग ऐसा काम नहीं करेंगे जिससे दूसरे समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचे या किसी प्रकार से साम्प्रदायिक

तनाव पैदा हो। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कि शनिवार शाम जारी बयान में कहा कि इस विवाद में 1986 से समाजवादियों का यही पक्ष रहा है कि यह विवाद दोनों समुदाय के बीच में बातचीत से तय हो जाए। या इस संबंध में अदालत का निर्णय मान्य हो। चूंकि बातचीत से निर्णय मान्य नहीं हो सका, इसलिए अदालत को निर्णय देना पड़ा। अखिलेश यादव ने कहा कि भारत वर्ष जैसे महान प्रजातांत्रिक देश में जो प्रणाली हमारे संविधान निर्माताओं ने बनाई थी, उसके अनुसार उच्चतम न्यायालय के द्वारा किया गया आदेश हमारे देश के सभी लोगों पर बाध्य होता है और हमें मानना है। इस महत्वपूर्ण निर्णय को भी सारा देश उसी प्रकार से स्वीकार करेगा जिस प्रकार संविधान में उच्चतम न्यायालय को यह अधिकार दिया गया है। वास्तव में यह निर्णय को हमारे देश के धर्मनिरपेक्ष स्वरूप और रूल आफला तथा प्रजातंत्र को सुदृढ़ करने की ओर एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। चूंकि पक्षकार निर्णय के बारे में पहले कहते रहे हैं कि जो उच्चतम न्यायालय का निर्णय जो भी होगा उसे स्वीकार किया जाएगा। अतरू हम आशा करते हैं कि देश के सभी लोग शांतिपूर्ण वातावरण सौहार्द बनाए रखेंगे।

राम मंदिर पर फैसला आने के बाद चारों ओर फोर्स ही फोर्स

आगरा। अयोध्या में राम मंदिर के संबंध में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद संवेदनशील आगरा में चारों ओर फोर्स ही फोर्स दिखाई दिया। मिश्रित आबादी वाले इलाकों में खास सतर्कता बरती गई। सबको सुरक्षा का भरोसा दिलाया गया। सबसे कहा गया कि कोई अतिरेक वाला काम न करें। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस-प्रशासन कई दिन से कसरत कर रहा था। इसका प्रभाव दिखाई दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बबलू कुमार ने बताया कि पुलिस किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

सम्पादकीय

वे चुप हैं

देश के गृहमंत्री अमित शाह इस वक्त महाराष्ट्र में सरकार बनाने की कोशिशों में व्यस्त हैं। उससे पहले वे हरियाणा पर ध्यान दे रहे थे। जम्मू-कश्मीर तो खैर हमेशा ही उनके खयालों में रहता है। अब नेहरू मेमोरियल सोसायटी के सदस्य भी बन गए हैं, तो उन्हें यह भी साबित करके दिखाना होगा कि इस संस्था को केवल कांग्रेस मुक्त ही नहीं, नेहरू से भी मुक्त कैसे किया जाए। आखिर नेहरू भाजपा के आदर्श पुरुष जो नहीं हैं। तो इस तरह सर्वव्यापी अमित शाह एक साथ कई-कई जिम्मेदारियां निभा रहे हैं, संगठन की, सरकार की, लेकिन अपने पद की जिम्मेदारी निभाने से वे चूक रहे हैं। तभी तो दिल्ली में पुलिस और वकीलों के बीच लगातार बढ़ रहे टकराव के बावजूद वे चुप हैं। अगर दिल्ली पुलिस, दिल्ली सरकार के अधीन होती तो भाजपा की ओर से नसीहतों, तानों और आरोपों की झड़ी लग जाती। लेकिन दिल्ली पुलिस, केंद्र सरकार के अधीन है, तो भाजपा के बयानवीर संभल कर बोल रहे हैं। भाजपा हमेशा कहती आई है कि 70 सालों में जो नहीं हुआ, वो हमने कर दिखाया है। और अब लग रहा है कि उसकी इस बात पर यकीन कर लेना चाहिए। 70 सालों में दिल्ली की सड़कों ने हजारों विरोध-प्रदर्शन, आंदोलन देखे हैं और उनमें पुलिसकर्मियों को अपने आकाओं का हुक्म बजाते हुए कभी लाठी चार्ज, कभी पानी की बौछार करते देखा है। लेकिन 70 सालों में ऐसा पहली बार हुआ है कि दिल्ली पुलिस के जवान, उनके परिवार वाले, सेवानिवृत्त पुलिसकर्मी घंटों अपनी मांगों के साथ, इंसाफ की गुहार लगाते सड़क पर बैठे रहे। इस अभूतपूर्व घटना को सरकार और सरकार के मीडियाकर्मी भले ही कितने मामूली तरीके से पेश करें, लेकिन सब जानते हैं कि पुलिस के जवानों का यूं मनोबल टूटना कानून व्यवस्था के लिए कितना घातक है। कोई भी सेनापति हताश सैनिकों के भरोसे युद्ध जीतने का दावा नहीं करेगा। लेकिन न्यू इंडिया में यही हो रहा है। न जाने किसके बूते भाजपा मजबूत सरकार देने का दावा करती है। दिल्ली की साकेत कोर्ट के बाहर एक पुलिसकर्मी को जिस तरह से एक वकील ने पीटा, और उसका बाकायदा वीडियो बनाकर उसे प्रसारित भी किया गया, यह देखना काफी दुखद था। इस एक वीडियो ने देश की कानून व्यवस्था के उड़ चुके चीथड़ों को सबके सामने उजागर कर दिया। देश भर में भीड़ की हिंसा की जो घटनाएं हो रही हैं और होती आई हैं, वे इस तरह की हिंसा से कोई बहुत अलग नहीं हैं। कन्हैया कुमार के साथ कोर्ट परिसर में जिस तरह मारपीट की गई थी, और तब कानून के हाथ जिस तरह बंधे हुए थे, उसकी सच्चाई भी इस वीडियो से समझी जा सकती है। अभी मारने वाला वकील था, मार खाने वाला पुलिसकर्मी था, यह स्थिति उलट भी हो सकती थी। बल्कि कई बार ऐसा ही हुआ भी है। बेकसूर पर अत्याचार करना, कानून अपने हाथ में लेना, अपनी शक्ति का बेजा प्रदर्शन करना और कमजोर को और दबाना, यही सब तो इस देश का सच बन गया है, जो इस वीडियो के जरिए पुनर्स्थापित हुआ है। हिंसा किसी भी तरह की हो, वह सही नहीं हो सकती। इसलिए अभी के मामले में कौन सही है, कौन गलत, इस की पड़ताल के साथ यह देखना ज्यादा जरूरी है कि देश में क्या सही है और क्या गलत। पुलिस और वकील, दोनों ही कानून व्यवस्था के अहम पहलू हैं, इनमें से किसी एक को नीचा दिखाकर या दूसरे को दोषी साबित करके तात्कालिक जीत तो मिल सकती है, लेकिन इससे वे सवाल नहीं सुलझेंगे, जिन्होंने देश के माहौल को खराब कर दिया है। जब किसी घटना पर लोग खुलकर अपनी राय रखने से हिचकिचाएंगे, डर के, सहम के रहेंगे, कि न जाने किस बात पर कौन आकर मारपीट कर दे, या किसी और तरह का नुकसान पहुंचा दे, सरकार की ओर से कब, कौन सा फरमान जारी हो जाए, कौन सा नया कानून बन जाए, जो सख्ती के नाम पर बदला लेने के काम आए, तो ऐसे माहौल में कुछ भी सही कैसे होगा ? डरे हुए समाज और मरघट में कोई खास फर्क नहीं रहता है, सिवाय सांसों की आवाजाही के।

राशिफल

मेषः- किसी खास मुद्दे को लेकर परिजनो के मतभेद का सामना करना पड़ेगा। प्रयासरत क्षेत्रों में सफलता प्राप्त होगी। जीवन साथी का भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा। संबंधों की मधुरता हेतु विास कायम करें।

बृषभः- अत्यधिक भावुक्ता से भावनात्मक शोषण की भी आशंका है। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता से मन उत्साहित होगा। कल्पनाओं में जीना छोड़ भौतिक जीवन का अनुसरण करें।

मिथुनः- भावुक्तावश किसी संबंधी की बातें मन को कष्ट पहुचा सकतीं है। कार्य क्षेत्र मे नये आसारों से उत्साहित होंगे। अपने भाग्य को कोसना छोड़ अपने समय का सकारात्मक दिशा में लगावें।

कर्कः- उच्छृंखल व मजाकिया स्वभाव आस-पास के वातावरण मे महत्ता तो बढ़ायेगा। आपके स्थितियों में आकस्मिक सुधार के आसार बन रहें। कल्पनाएं साकार होती नजर आएंगी।

सिंहः- परिवार में किसी की अस्वस्थता से मन चिन्तित होगा। शिक्षा-प्रतियोगिता मे प्रयत्न सार्थक होगा। आपमें दूसरों को आकर्षित करने का अभूतपूर्व क्षमता है इसका भरपूर लाभ मिलेगा।

कन्याः- असामाजिक तत्वों से दूरी बनावें। सरल व मिलनसार स्वभाव से संबंधों में लोकप्रिय होंगे। भौतिक सुख-साधनों की लालसा में व्यय के योग है। रोजगार के क्षत्र में विजय प्राप्त होगा।

तुलाः- पूर्वाग्रहवश अपने निकटस्थ संबंधों के बारें में गलत धारणा पालना ठीक नही। भावुकतावश संबंधों में भावनात्मक शोषण की आशंका है। प्रणय संबंध में केन्द्रित मन प्रियतम से मिलने के लिऐ व्याकुल होगा।

वृश्चिकः- जीवन में नीरसता को कम करने के लिए मन को सकारात्मक दिशा देवें। भौतिक व तामसिक जगत से प्रभावित मन भविष्य को लेकर चिन्तित होंगी। परिश्रम से आर्थिक लाभ के योग हैं।

धनुः- अपने अन्दर नये उर्जा की अनुभूति करेंगे। लेकिन बिगड़े हुए संबंधों को सुधारने की चेष्ठा करें। किसी अचल सम्पत्ति ऋय हेतु प्रयत्न तीव्र। मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि तो होगी परन्तु इससे अभिमानी न बनें।

मकरः- महत्वपूर्ण पारिवारिक दायित्वों के पूर्ति के आसार बनेंगे। मान-सम्मान व वर्चस्व में वृद्धि होगी। व्यावसायिक क्षेत्र के प्रतिभा में निखार आयेगा। अपनी स्थिति को लेकर मन में हीनता का वाश होगा।

कुंभः- नये कायरे में पूंजी निवेश हेतु धनाभाव अवरोधक होगा। परिजनों की सुख-सुविधा के प्रति मन चिन्तित होगा। पारिवारिक जिम्मेदारियां मन को बोझिल करेंगी।

मीनः- कोई अवरोधित काम के प्रति मन विशेष रूप से चिन्तित होगा। प्रणय संबंध के प्रति मन केन्द्रित होगा। भावना प्रधान मन जल्द ही दूसरों से प्रभावित हो जाता है। शासनसत्ता का लाभ मिलेगा।

साहित्य से डरती सत्ता

“ साहित्य समाज का आईना होता है और लेखक दूरदृष्टा होते हैं, यह बात एक बार नहीं, बार-बार साबित हो चुकी है। जो केवल लफ्फाजी कर लेखक बनने की खुशफहमी पाल लेते हैं और फिर देशभक्ति से लेकर चुनाव तक, अर्थव्यवस्था से लेकर अंतरिक्ष विज्ञान तक, हर मसले पर अपनी राय दे कर सेलिब्रिटी बन जाते हैं, उनसे तो खैर किसी दूरदृष्टि या निष्पक्ष लेखन की उम्मीद नहीं होती। ”

लेकिन जो लेखक अभिव्यक्ति के खतरे उठाने का माद्दा रखते हैं, उनका हर विचार साहित्य की श्रेणी में आता है और उनकी हर रचना समय के बंधनों से परे होती है। उसमें अतीत का आकलन, वर्तमान का विश्लेषण और भविष्य को भांपने की खासियत होती है। इसलिए ऐसी रचनाओं में समाज अपना चेहरा देख सकता है, अपनी कुरुपताओं को सुधार कर उसे सुंदर बना सकता है। ऐसी रचनाएं समाज के लिए जरूरी होती हैं, इसलिए सत्ता को उनसे भय लगता है। लिहाजा कभी किसी रचना पर प्रतिबंध लगाया जाता है, कभी किसी लेखक को सजा दी जाती है।

अंग्रेजी राज में तो यह सब खूब हुआ, अब आजाद भारत में 70 साल बाद भी यही हो रहा है कि एक मजबूत सरकार को 60 साल पुरानी एक रचना से डर लग रहा है। रचना पर प्रतिबंध तो नहीं लगा है, लेकिन उसे स्कूली पाठ्यक्रम से हटा दिया गया है। शिक्षा तो हमारे देश में अविचारित प्रयोगों का माध्यम बन चुकी है। जहां सरकारें अपने एजेंडे के अनुरूप पाठ्यक्रम तैयार करती हैं। हम नाहक मैकाले को कोसते आए हैं कि अपनी चाकरी करवाने के लिए उन्होंने भारतीयों को अपने मुताबिक शिक्षित करवाया। हम खुद भी तो वही कर रहे हैं।

राजसत्ता की सुविधा से इतिहास लिखा जा रहा है, ऐतिहासिक किरदार नायक या खलनायक के रूप में पेश किए जा रहे हैं, जहां केवल जमीन की लड़ाई थी, वहां धर्म का तत्व ठूंसा जा रहा है, ताकि इतिहास की कब्र पर अपने भविष्य की इमारत खड़ी की जाए। जिन रचनाओं से छात्रों को आत्मविश्लेषण करने की प्रेरणा मिले, सवाल पूछने की हिम्मत जागे, देश की बुनियाद से परिचित होने का मौका मिले, उन्हें देशहित में न मानते हुए पाठ्यक्रम से हटाया जा रहा है।

इसकी ताजा मिसाल है कृष्ण चंदर की कहानी जामुन का पेड़। जिसने भी इस कहानी को पढ़ा, वह व्यवस्था की विद्रूपताओं पर कुपित और चकित हुए बिना नहीं रह सका। सरकार में बैठे लोग और उनके मुलाजिम किस कदर संवेदनहीन, विचारहीन, डरपोक, गैरजिम्मेदार और आत्मकेन्द्रित हो सकते हैं, इसकी मिसाल है यह व्यंग्य कथा। जिसमें किसी पार्टी, नेता या सरकार का नाम लिए बिना एक रूपक के सहारे सड़ रही व्यवस्था को उजागर किया गया है। आज के विद्यार्थी इसे पढ़ते, तो शायद इसे आज के समय से जोड़कर देखते, क्योंकि जिन्होंने पहले इसे पढ़ा है, उसे अपने समय से जोड़कर देखा है। लेकिन अब सरकारी अधिकारियों को लगता है कि यह कहानी विद्यार्थियों के काम की नहीं है। आईसीएसई के पाठ्यक्रम में 2015 में जामुन के पेड़ को शामिल किया गया था। आंधी आने से एक जामुन का पेड़ गिर जाता है और उसके नीचे एक आदमी दब जाता है। जिसे निकालने की बात तो सब करते हैं, लेकिन माली से लेकर सेक्रेटरी तक पहुंची बात और फिर एक मंत्रालय से दूसरे मंत्रालय तक फाइल को चलाने की सरकारी प्रक्रिया में बात अंतरराष्ट्रीय संबंधों तक पहुंच जाती है। जब तक फाइल मुकम्मल होती है, उस आदमी की जिंदगी भी मुकम्मल हो जाती है। इस कहानी में व्यवस्था पर किया गया कटाक्ष ही शायद अधिकारियों को बर्दाश्त नहीं हो रहा है। इसलिए अब आदेश जारी हुआ है कि इस पाठ से 2020 और 2021 की परीक्षाओं में कोई सवाल नहीं पूछे जाएंगे।

आईसीएसई काउंसिल के सचिव गैरी ऐराथन के मुताबिक यह कहानी 10वीं कक्षा के छात्रों के अनुरूप नहीं थी, इसलिए इसे हटा दिया गया। लेकिन इस कहानी से किसे दिक्कत थी, चार साल बाद यह अहसास क्यों हुआ और किसे हुआ कि 10वीं कक्षा के लिए यह कहानी ठीक नहीं है, इन सवालों के जवाब नहीं मिल पाए हैं। वैसे अगर जामुन का पेड़ से दिक्कत है, तो फिर परसाई जी के समूचे लेखन और श्रीलाल शुक्ल के राग दरबारी जैसे उपन्यासों से भी दिक्कत होगी। कबीर भी बर्दाश्त नहीं होंगे और गांधी-नेहरू भी।

बर्दाश्त न हो पाने वाले ऐसे लेखकों की सूची लंबी है। बेहतर होगा कि अब साहित्य की तमाम कोटियों को हटाकर राष्ट्रवादी और राष्ट्रविरोधी कोटियां ही प्रधान बना दी जाएं और केवल इन दो खानों में लेखकों को बांट दिया जाए। फिर भावी पीढ़ी को क्या पढ़ाना है, क्या नहीं, यह तय करना आसान हो जाएगा। वैसे आज के तथाकथित साहित्यकार भी तय कर लें कि वे पुस्तक मेलों और पांच सितारा साहित्य सम्मेलनों में जाकर अपने गले में लेखक होने का पट्टा सत्ताधीशों से बंधवाना चाहते हैं या आजाद रहकर कलम उठाने की कूबत उनमें बची है।

370 के बाद का कश्मीर झूठ और दुष्प्रचार की अति

कश्मीर से संविधान के अनुच्छेद 370 को हटाने के बाद से तीन माह बीत चुके हैं। इस प्रक्रिया में स्थापित विधि को दरकिनार कर, लोकसभा में अपने बहुमत का लाभ उठाते हुए भाजपा सरकार द्वारा यह कदम उठाया गया। इस संबंध में कश्मीर के लोगों की राय जानने का तनिक भी प्रयास नहीं किया गया। इस मुद्दे पर कई तरह के झूठ फैलाए जा रहे हैं। सरदार पटेल को याद करते हुए 31 अक्टूबर को इनमें से दो झूठों का जमकर प्रचार किया गया। नरेन्द्र मोदी ने इस अनुच्छेद को हटाए जाने के निर्णय को सरदार पटेल को श्रद्धांजलि बताया। यह दिलचस्प है कि सरदार पटेल, संविधान सभा की उस समिति के सदस्य थे जिसने इस अनुच्छेद को अंतिम रूप दिया था। सरदार पटेल ने ही संविधान सभा में इस अनुच्छेद को संविधान का भाग बनाने का प्रस्ताव प्रस्तुत किया था क्योंकि उस समय विदेश मंत्री का कार्यभार संभाल रहे पंडित जवाहरलाल नेहरू अमेरिका की यात्रा पर थे। मोदी और उनके साथी, भारत के प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास का विरूपण तो कर ही रहे हैं वे हालिया इतिहास को भी तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत कर रहे हैं। प्रधानमंत्री और भारत सरकार के शीर्ष पदाधिकारी यह दावा भी कर रहे हैं कि इसी अनुच्छेद के कारण कश्मीर में आतंकवाद अपनी जड़ें जमा सका है। उनका तर्क यह है कि इस अनुच्छेद को समाप्त कर देने से कश्मीर में आतंकवाद पर नियंत्रण किया जा सकेगा। आम जनता की याददाश्त बहुत लंबी नहीं होती। इसलिए यह याद दिलाना महत्वपूर्ण होगा कि नोटबंदी के समय भी यह दावा बड़े जोर-शोर से किया गया था कि इस निर्णय से कश्मीर में अतिवाद का अंत हो जाएगा क्योंकि राज्य में आतंकवाद को नकली नोटों के सहारे प्रायोजित किया जा रहा है। अंततरू नोटबंदी के संबंध में अन्य दावों की तरह, यह दावा भी पूरी तरह से झूठा और खोखला साबित हुआ। कश्मीर में आज जो स्थितियां हैं, वे सबके सामने हैं। वहां सामान्य जनजीवन थम गया है, स्थानीय नेताओं को नजरबंद कर दिया गया है और राष्ट्रीय नेताओं को कश्मीर में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है। कुछ व्यवसायियों ने एनजीओ का बाना पहनकर, यूरोप के दक्षिणपंथी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल को कश्मीर की यात्रा करने के लिए भारत सरकार का निमंत्रण दिलवाया। उनमें से एक, क्रिस डेवीस, ने जब कहा कि वे स्थानीय रहवासियों से अकेले में मिलना चाहेंगे तब उनका निमंत्रण वापस ले लिया गया। जो सांसद भारत सरकार की मंशा के अनुरूप अपने निष्कर्ष देने के लिए तैयार थे केवल उन्हें कश्मीर जाने की इजाजत दी गई। इन सांसदों से अपेक्षा यह थी कि वे मुफ्त की इस यात्रा का आनंद उठाएं और मोदी सरकार को श्आल इज वेल्य का सर्टिफिकेट जारी कर दें। इस बीच, कश्मीर में सुरक्षाबलों की भारी मौजूदगी और इस दावे के बावजूद कि अनुच्छेद 370 को हटाने से राज्य में आतंकवाद का सफाया हो जाएगा, घाटी में आतंकी गतिविधियां जारी रहीं। एक त्रासद घटना में पश्चिम बंगाल के पांच प्रवासी मजदूरों को मौत के घाट उतार दिया गया। इसके पहले, फलों के व्यवसाय से जुड़े कई व्यक्तियों पर हमले किए गए। श्रीनगर के सब्जी बाजार में हुए ग्रेनेड हमले में एक व्यक्ति मारा गया और पन्द्रह घायल हुए।

एक ओर जहां कश्मीर के लोग अपने राज्य का दर्जा घटाकर केन्द्र शासित प्रदेश कर देने से स्वयं को अपमानित महसूस कर रहे हैं वहीं ये दावे किए जा रहे हैं कि कश्मीर के मामले में जो कुछ किया गया है, उससे सरदार पटेल का स्वप्न साकार हुआ है। इस दावे में कोई दम नहीं है कि भारत सरकार ने कश्मीर में आतंकवाद के एक बड़े कारण को समाप्त कर दिया है। यह दावा न केवल ऐतिहासिक तथ्यों के विपरीत है वरन उसका उद्देश्य केवल यह दर्शाना है कि राज्य में भाजपा की नीतियां अत्यंत प्रभावी और सफल सिद्ध हुई हैं। कश्मीर में अतिवाद का इतिहास, पाकिस्तान की सेना के समर्थन से सन् 1947 में वहां कबाईलियों के आक्रमण के साथ शुरू हुआ। कश्मीर के लोग साम्प्रदायिक तत्वों के द्विराष्ट्र सिद्धांत को स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। वे धर्मनिरपेक्ष, प्रजातांत्रिक व्यवस्था के हामी थे और इसलिए उन्होंने भारत सरकार से अनुरोध किया कि वह पाकिस्तान के हमले का मुकाबला करने में कश्मीर की मदद करे। इसके बाद कश्मीर के साथ विलय की संधि पर हस्ताक्षर हुए और अनुच्छेद 370 को संविधान का हिस्सा बनाया गया। इन सभी मुद्दों पर विद्वान अध्येता विस्तार से प्रकाश डाल चुके हैं। कश्मीर के भारत में विलय में शेख अब्दुल्ला ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की थी। भारत में साम्प्रदायिक राजनीति के बढ़ते प्रभाव और श्यामाप्रसाद मुखर्जी और उनके जैसे अन्य नेताओं द्वारा कश्मीर को जबरन भारत का अंग बनाए जाने के मुद्दे पर जोर देने के कारण, शेख अब्दुल्ला का भारत से मोहभंग हो गया। अंततरू शेख अब्दुल्ला को जेल में डाल दिया गया और यहीं से कश्मीर के लोगों में भारत के प्रति अलगाव का भाव जन्मा। अलगाव के इस भाव और पाकिस्तान के समर्थन और सहयोग से कश्मीर में आतंकवाद बढ़ने लगा। अनुच्छेद 370, कश्मीर को काफी हद तक स्वायत्ता देता था और इसके चलते राज्य में आतंकवाद के पैर पसारने पर रोक लगी रही। अमेरिका द्वारा रूसी सेना से लड़ने के लिए अलकायदा को बढ़ावा देने से भी यह समस्या और बढ़ी। अलकायदा और उसके क्लोन, रूसी सेना को पराजित करने के बाद कश्मीर में घुसपैठ करने लगे और उन्होंने वहां के अतिवाद को साम्प्रदायिक रंग दे दिया। आज, तीस साल बाद, इस घटनाक्रम को तोड़-मरोड़कर प्रस्तुत किया जा रहा है। जरूरत तो इस बात की थी कि राज्य में प्रजातंत्र को और मजबूत किया जाता और असंतुष्ट तत्वों के साथ संवाद की राहें खोजी जातीं। निरूसंदेह इस संदर्भ में अमेरिका के समर्थन से पाकिस्तान द्वारा राज्य में की जा रही कुत्सित हरकतों का भी ख्याल रखा जाना जरूरी होता। किसी भी समस्या से निपटने के लिए सबसे पहले यह जरूरी है कि हम उसकी जड़ को पहचानें। परंतु दुर्भाग्यवश साम्प्रदायिक तत्वों की हालिया इतिहास की गलत समझ, भारत सरकार की नीतियों की पथ प्रदर्शक बन गई है। कश्मीर में आतंकवाद और विकास के अभाव- दोनों के लिए अनुच्छेद 370 को दोषी बताया जा रहा है। तथ्य यह है कि कश्मीर के मानव विकास सूचकांक, राष्ट्रीय औसत और कई राज्यों से बहुत बेहतर हैं। यह तो समय ही बताएगा कि पाकिस्तान, कश्मीर के मामले में क्या रूख अपनाता है और राज्य में सक्रिय अलकायदा जैसे तत्वों पर किस तरह नियंत्रण किया जाता है। परंतु यह स्पष्ट है कि कश्मीर के लोगों के साथ संवाद के बगैर यह समस्या हल नहीं हो सकती। कश्मीर में शांति की पुनर्स्थापना और हिंसा का अंत करने का एक ही तरीका है- और वह है प्रजातांत्रिक प्रक्रिया को और मजबूती देना।

हमें अपना समय खुद चुनना होगा

भारत ने वर्तमान रूप में मेगा ट्रेडिंग ब्लॉक रीजनल कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) का हिस्सा बनने से इनकार कर दिया है क्योंकि इसकी मांग पूरी नहीं हुई थी। खैर इसका मतलब यह नहीं है कि उसे अपनी एक्ट ईस्ट पॉलिसी को छोड़ना होगा। किसी व्यापार ब्लॉक में शामिल होना क्षेत्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के तरीकों में से एक है। भारत के दूरदराज के प्रशांत द्वीप समूह तक के क्षेत्र के सभी देशों के साथ द्विपक्षीय संबंध हैं। पारस्परिक विकास, आर्थिक सहयोग, संपर्क और लोगों से लोगों का संपर्क भारत की नीति की आधारशिला रहा है और इसलिए आरसीईपी का हिस्सा नहीं होने से यह एक्ट ईस्ट पॉलिसी को किसी भी तरह से अप्रासंगिक नहीं बनाता है। प्रस्तावित आरसीईपी में भारत, 10 आसियान देश और अन्य पांच भाग लेने वाले देश शामिल थे, जिनके पास चीन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे आसियान के हैं। विश्व जीडीपी के 30 फीसदी और वैश्विक व्यापार का 29 फीसदी से अधिक बनने का इस ब्लॉक का इरादा है। विश्व अर्थव्यवस्था के लिए एक मजबूत धुरी बनना इसकी महत्वाकांक्षा है। थाईलैंड में बैंकॉक में तीसरे आरसीईपी शिखर सम्मेलन के समापन पर जारी किए गए नेताओं के बयान में कहा गया है, श्हमने नोट किया कि भाग लेने वाले देशों ने सभी 20 अध्यायों के लिए पाठ-आधारित वार्ता और अनिवार्य रूप से अपने बाजार पहुंच के सभी मुद्दों पर चर्चा की है। भारत ने कुछ ऐसे महत्वपूर्ण बकाया मुद्दे उठाए हैं, जो अनसुलझे हैं। सभी भाग लेने वाले देश पारस्परिक रूप से संतोषजनक तरीके से इन मुद्दों को हल करने के लिए मिलकर काम करेंगे। भारत का अंतिम निर्णय इन मुद्दों के संतोषजनक समाधान पर निर्भर करेगा।य

वार्ता के लिए 20 अध्याय शामिल किए गए। वे हैं-1. प्रारंभिक प्रावधान और सामान्य परिभाषाएं, 2. माल का व्यापार, 3. उत्पाद विशिष्ट नियमों पर अनुलग्नक सहित उत्पत्ति के नियम, 4. सीमा शुल्क प्रक्रिया और व्यापार सुविधा, 5. स्वच्छता संबंधी उपाय, 6. मानक, तकनीकी विनियम और अनुरूपता मूल्यांकन प्रक्रिया, 7. व्यापार का समाधान, 8. वित्तीय सेवाओं, दूरसंचार सेवाओं और व्यावसायिक सेवाओं पर अनुबंध सहित सेवाओं में व्यापार, 9. प्राकृतिक साधनों का मूवमेंट, 10. निवेश, 11. बौद्धिक संपदा, 12. इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स, 13. प्रतियोगिता, 14. लघु और मध्यम उद्यम, 15. आर्थिक और तकनीकी सहयोग, 16. सरकारी खरीद, 17. सामान्य प्रावधान और अपवाद, 18. संस्थागत प्रावधान, 19. विवाद निपटान, और 20. अंतिम प्रावधान।वार्ता के इन अध्यायों पर आधारित भारत ने कहा कि सभी एफटीए में उसने आसियान, जापान, दक्षिण कोरिया के साथ हस्ताक्षर किए हैं, वह पहले से ही व्यापार घाटे का सामना कर रहा है और अपने वर्तमान स्वरूप में आरसीईपी देश के उद्योगों के लिए चीजों को बदतर बना देगा, किसान और आम आदमी के भी यह खिलाफ जाएगा। इससे डेयरी सेक्टर, फार्मास्युटिकल इंडस्ट्री, टेक्सटाइल्स, केमिकल इंडस्ट्री, ऑटो सेक्टर में पूरी तरह से निर्मित इकाइयां, एग्रो प्रोडक्ट्स और स्मॉल स्केल सेक्टर बुरी तरह प्रभावित होंगे। भले ही भारत ने आरसीईपी का हिस्सा नहीं बनने का फैसला किया है, जब तक कि उसकी जायज मांगों को पूरा नहीं किया जाता है, भारत द्वारा इस क्षेत्र में एफटीए पर हस्ताक्षर किए जाने के प्रयास जारी हैं।

मैं फैसले का स्वागत करता हूं

लखनऊ। अयोध्या मामले में सुप्रीम कोर्ट ने एतिहासिक फैसला सुनाते हुए रामलला विराजमान को विवादित जमीन सौंप दी है। साथ ही मुस्लिम पक्ष को 5 एकड़ जमीन कहीं और देने का फैसला दिया है। सभी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का सम्मान किया है। इसी कड़ी में यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने ट्वीट कर फैसले का स्वागत किया। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि श्रीजन्मभूमि पर मा. सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मैं स्वागत करता हूं। इस फैसले का सभी वर्गों, दलों ने स्वागत किया है, जिससे न्यायिक प्रणाली में सामान्य जन के विश्वास को और मजबूती मिलती है।

हाई अलर्ट के बीच हुसैनाबाद चौराहे पर नशे में झूमती कानून-व्यवस्था

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या भूमि विवाद पर फैसला दे दिया है। कोर्ट ने विवादित जमीन को हिंदुओं को देने का फैसला दिया है। ऐसे माहौल में किसी भी प्रकार की अनहोनी न होने पाए इसलिए सरकार ने कड़ी सुरक्षा व्यवस्था का इंतजाम किया है। फैसले पर किसी भी प्रकार की हुल्लड़बाजी न हो पाए इसके लिए जगह-जगह पुलिस फोर्स तैनात है। लेकिन जिन पर कानून-व्यवस्था को संभालने की जिम्मेदारी है वो ही नशे में झूम रहे हैं। ठाकुरगंज के हुसैनाबाद चौराहे पर सुबह-सुबह नशे में धुत सिपाही झूमता नजर आ रहा है। ये सिपाही जहां लोगों के लिए मनोरंजन का पात्र बना वहीं पुलिस के लिए शर्मिंदगी।

पुराने लखनऊ में पुलिस व आरएएफने किया पैदल मार्च

लखनऊ। अयोध्या पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद पूरे उत्तर प्रदेश में पुलिस-प्रशासन हाई अलर्ट पर है। किसी तरह के विवाद से निपटने से निपटने के लिए लखनऊ में भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। जगह-जगह पुलिस व अर्द्धसैनिक बलों के जवान मुस्तैद हैं। इस बीच 12 नवंबर को रबी-उल अव्वल का त्यौहार भी पड़ रहा है। आम नागरिकों को भयमुक्त रखने के लिए शनिवार को पुराने लखनऊ में पुलिस ने पैदल मार्च निकाला। जिसमें ठाकुरगंज थाना प्रभारी नीरज ओझा अपने पूरी टीम के साथ शामिल हुए। पुलिस ने लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने और प्रशासन को सहयोग करने की अपील की। पैदल मार्च में पुलिस के साथ आरएएफभी मौजूद रही।

पूर्ण श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जा रहा कार्तिक महोत्सव

लखनऊ। हरी ओम मंदिर, लालबाग में गुरू नानक देव जी का जन्मोत्सव तथा कार्तिक महोत्सव पूर्ण श्रद्धा एवं उल्लास के साथ पिछले 65 वर्षो से अधिक समय से मनाया जा रहा है। लगभग दस हजार श्रद्धालु-सिन्धी एवं अन्य समुदाय के लोग सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में भाग लेते हैं। गुरू ग्रन्थ साहब का अखण्ड पाठ, कार्तिक कथा, तुलसी फेरा एवं धार्मिक विषयों पर बच्चों की प्रतियोगिता इस समारोह के मुख्य आकर्षण हैं। इस वर्ष कार्तिक महोत्सव एवं गुरू नानक देव जी का 550वॉ जन्मोत्सव दिन मंगलवार 5 नवम्बर, 2019 से मंगलवार 12 नवम्बर, 2019 तक मनाया जा रहा है।

सौहार्दपूर्ण वातावरण में ही होना चाहिए आगे का काम

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि स्थल के बारे में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत किया है और लोगों से सौहार्दपूर्ण माहौल बनाएं रखने की अपील की है। मायावती ने ट्वीट कर लिखा कि परमपूज्य बाबा साहेब डा भीमराव अम्बेडकर के धर्म-निरपेक्ष संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट द्वारा रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद के संबंध में आज आम सहमति से दिए

गए ऐतिहासिक फैसले का सभी को सम्मान करते हुए अब इस पर सौहार्दपूर्ण वातावरण में ही आगे का काम होना चाहिए ऐसी अपील व सलाह। बता दें कि, सुप्रीम कोर्ट के 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने अयोध्या विवाद पर फैसला सुनाते हुए 2.77 एकड़ विवादित जमीन रामलला विराजमान को देने का आदेश दिया है। इसके साथ ही मुस्लिम पक्ष को मस्जिद निर्माण के लिए 5 एकड़ वैकल्पिक जमीन अयोध्या में ही कहीं और आवंटित करने का भी आदेश सरकार को दिया है।

आठ दशक पार चुके अपने सीनियर इंजीनियरों देख गदगद हुए युवा अभियंता

आईआईटी बीएचयू के डिग्री इंजीनियर्स का सातवॉ सम्मेलन

लखनऊ। अपने बीच आठ दशक पार कर चुके अपने इंजीनियरिंग कालेज के छात्रों को देखकर आईआईटी बीएचयू के डिग्री इंजीनियर झूम ही नही उठे बल्कि उनके प्रति श्रृद्धा चेहरे पर झलक आई। तकनीकी क्रांति से पूर्व इंजीनियरिंग की शिक्षा हासिल करने वाले अपने इन बड़ों का आर्शीवाद लेने वाले अभियंताओं का आज विश्वेश्रैया प्रेक्षागृह में ताता लगा रहा। 1952 बैच वृद्धयुवा अभियंता से लेकर 2019 बैच के युवा अभियंताओं में जिज्ञासा और जबाब का दौर घन्टों चला। आई आई टी, बी एच यू, वाराणसी से इंजीनियरिंग की डिग्री प्राप्त, लखनऊ में रहने वाले इंजीनियरों का सातवां वार्षिक सम्मलेन 09 नवम्बर 2019 को लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया सभागार में संपन्न हुआ। इसमें विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर चुके एवं कार्यरत लगभग 150 अभियंताओं ने सपरिवार भाग लिया। इसमें 1952 बैच से लेकर अद्यतन 2019 बैच के अभियंता ने प्रतिभाग किया। सभी ने आपस में अपने संस्मरण और अनुभव बांटे। उपस्थित सदस्यों में से वरिष्ठतम वर्ष 1952 के स्नातक, राज्य उत्पादन निगम के सेवा निवृत्त प्रबंध निदेशक कैलाश बिहारी माथुर सम्मलेन के मुख्य स्वागती थे। आई आई टी बी एच यू के पूर्व प्रोफेसर रामजी अग्रवाल मुख्य अतिथि तथा प्रोफेसर ए एस के सिन्हा, राजीव गांधी पेट्रोलियम टेक्नोलॉजी संस्थान, अमेठी के डायरेक्टर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। कार्यक्रम का शुभारम्भ वरिष्ठ सदस्यों द्वारा दीप प्रज्वलन, काशी हिन्दू विश्व विद्यालय के संस्थापक प. मदन मोहन मालवीय की मूर्ति पर माल्यार्पण तथा पारंपरिक कुलगीत से हुआ। तदोपरांत महा सचिव श्री कायम रजा रिजवी ने अपना प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जिसमे पूरे वर्ष की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। सभी सदस्यों ने अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए संगठन को और प्रभावी बनाने पर अपने विचार प्रगट किये। 1952 के स्नातक , राज्य विद्युत उत्पादन निगम के सेवानिवृत्त प्रबंध निदेशक श्री कैलाश बिहारी माथुर,वर्ष 1959 बैच के स्नातक सर्वश्री कैलाश शंकर दीक्षित, पी डी गुप्ता, ए एस तिवारी, जे एस मेहरोत्रा, के एस मिश्रा, आर पी कक्कड़, वी पी श्रीवास्तव एवं वर्ष 1969 बैच के स्नातक सर्वश्री सतीश कुमार खरे, ध्रुव, वाई एन राय, एम एल विश्वकर्मा, वी के अग्रवाल, आर के अस्थाना, वी पी त्रिपाठी, जी एस मिश्रा, एस के सिंह, सी एल सेठी, बी आर गुप्ता, एस पी मिश्रा, पी डी सिंह जो अपने स्नातक होने की हीरक या स्वर्ण जयंती मना रहे हैं, को सपत्नीक सम्मानित किया गया। इस अवसर पर श्री राजेश कुमार द्वारा सम्पादित एक स्मारिका का विमोचन किया गया। संस्था के अध्यक्ष रमेश चंद बरनवाल प्रमुख अभियंता लोक निमार्ण विभाग ने सदस्यों के सहयोग तथा प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए इसे और सुदृढ़ बनाने का आवाहन किया. मुख्य अतिथि प्रोफेसर रामजी अग्रवाल ने इस वर्ष आई आई टी बी एच यू के 100 वर्ष पूर्ण होने अवसर पर बी एच यू वाराणसी में हुए शतवार्षिकी आयोजन के बारे में जानकारी दी तथा पुराने छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला। वर्ष 1953 बैच के इं वाई डी मिश्रा ने आशीर्वचन देते हुए नई पीढ़ी को मालवीय जी के पद चिन्हों पर चलने की सलाह दी। अंत में श्री विजय प्रताप ने सबको धन्यवाद ज्ञापन किया। सम्मलेन के दूसरे सत्र में सांस्कृतिक सचिव श्री उदय भान पाण्डेय 卐भान卐 के निर्देशन में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया, जिसमें श्रीमती रेखा मल्होत्रा, श्रीमती आरती पांडेय ने गीत, इं कायम रजा रिजवी तथा इं उदय भान पांडेय ने गजलें प्रस्तुत की।

फेफड़ों के कैंसर का सही निदान और शीघ्र उपचार करना है जरूरी: डॉ सुषमा अग्रवाल

लखनऊ। नवंबर का महीना फेफड़ों के कैंसर के बारे में जागरूकता का प्रसार करने के लिए समर्पित माह है। भारत में, हर साल लंग कैंसर के 67,000 नए मामले सामने आते हैं। उत्तर प्रदेश में, कैंसर से होने वाली मौतों में फेफड़ों का कैंसर पुरुषों में तीसरा और महिलाओं में आठवां सबसे प्रमुख कारण है। अधिकांश मामले पुरुषों में सामने आते हैं लेकिन कुछ महिलाएं और धूम्रपान नहीं करने वाले लोगों में भी लंग कैंसर पनप सकता है। एक खास तरह का लंग कैंसर, जिसे 'नॉन-स्मॉल सैल लंग कैंसर (एनएससीएलसी) कहा जाता है, सभी तरह के लंग कैंसर के मामलों में 85 प्रतिशत पाया जाता है। दुर्भाग्यवश, ऐसे अधिकांश मामले देरी से पकड़ में आते हैं क्योंकि इस रोग के शुरूआती लक्षण दिखायी नहीं देते, या फ्लिइन लक्षणों को अन्य संक्रमण समझा जाता है। इसी वजह से उपचार भी चुनौती पूर्ण हो जाता है। इस बारे में डॉ सुषमा अग्रवाल, प्रोफेसर, रीजनल कैंसर सेंटर, संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, लखनऊ ने कहा, ''लंग कैंसर के लक्षण काफी हद तक तपेदिक की तरह होते हैं जो कि भारत में काफी आम है। यही वजह है मेरे सामने अक्सर ऐसे मामले आते हैं जिनका इलाज कुछ निजी चिकित्सक कुछ महीनों तक तपेदिक के लिए करते रहे और ऐसा तपेदिक का सही निदान किए बगैर ही किया गया। लेकिन जब मरीज को एंटी-ट्यूबर क्युलर दवाओं से कोई लाभ नहीं पहुंचातो उन्हें बायप्सी के लिए किसी दूसरे उन्नत सेंटर में भेजा गया जहां उन्हें लंग कैंसर होने की पुश्टि हुई। लेकिन निदान में लंबा समय लगने का परिणाम यह होता है कि कैंसर शरीर के अन्य भागों में फैल चुका होता है जिससे इलाज के लिए उपलब्ध विकल्प काफी कम रह जाते हैं। लंग कैंसर जागरूकता माह के दौरान, लोगों को यह बताया जाना महत्वपूर्ण है कि एंटी-ट्यूबर क्युलर दवाएं तभी लेनी चाहिए जबकि बलगम की जांच में तपेदिक की पुश्टि हो। एंटी-ट्यूबर क्युलर इलाज के चलते एक माह के अंदर ही लक्षणों में सुधार दिखने लगता है। लेकिन यदि लक्षण बरकरार रहें तो मरीज को तत्काल किसी उन्नत सेंटर में जाकर जांच करवानी चाहिए ताकि कैंसर के न होने की पुष्टि की जा सके।'' लंग कैंसर के सामान्य लक्षणों में खांसी, जो दूर नहीं हो रही हो, छाती में दर्द, भूख न लगना, बिना वजह वजन कम होना, खांसी के साथ खून जाना, सांस फूलना और आवाज में भारीपन शामिल है। इन लक्षणों का होना अपने आप में इस बात की निशानी नहीं होता कि मरीज को लंग कैंसर है। लेकिन इनके रहते लंग कैंसर का निदान होना और सही उपचार लेना आवश्यक है। 2003 तक, एडवांस लंग कैंसर (एनएससीएलसी) से पीड़ित मरीजों के उपचार के लिए एकमात्र उपलब्ध विकल्प कीमोथेरेपी ही था और इससे मरीज का जीवन 8 से 10 महीने तक बचाया जा सकता था। लेकिन हाल में इस क्षेत्र में हुई प्रगति ने एक और विकल्प उपलब्ध कराया है, यह है टारगेटेड थेरेपी, जो मरीजों को कीमोथेरेपी की कमियों से उबारकर उनके जीवन में लगभग 45 महीने और जोड़ सकता है। टारगेटेड थेरेपी उन मरीजों के लिए फायदेमंद होती है जिनके डीएनए में खास किस्म के बदलाव होते हैं। मसलन, करीब तीस प्रतिशत और आठ प्रतिशत भारतीय मरीजों, जो कि अक्सर धूम्रपान नहीं करते, के जीन जिन्हें क्रमशः कहा जाता है, में बदलाव होता है, जो कि कैंसरकारी होता है। एक खास तरह के डायग्नॉस्टिक टैस्ट के जरिए इस म्युटेशन की पहचान की जा सकती है। इन म्युटेशनों का उपचार टारगेटेड थेरेपी से किया जाता है जो किम्युटेशन पर हमला बोलती है। जैसे-जैसे चिकित्सा विज्ञान प्रगति कर रहा है, मेरा मानना है कि ओंकोलॉजिस्टों के पास जल्द ही ऐसे विकल्प उपलब्ध होंगे जो और अधिक म्युटेशनों को लक्षित करने के साथ-साथे मरीजों के लिए उपचार को पर्सनलाइज कर सकते हैं और जिनकी मदद से और ज्यादा जिंदगियों का बचाव हो सकता है।

आपसी विवाद में दोस्त ने किया युवक पर चाकू से जानलेवा हमला, घायल

लखनऊ। राजधानी में दबंग बेखौफ होकर दबंगई दिखाने में कोई कसर नहीं छोड़ रहेंहैं। ऐसा ही एक मामला हुसैनगंज थाना क्षेत्र में शनिवार को देखने को मिला है। जहां बेखौफबदमाशों ने अमित नामक युवक पर चाकू से बोलकर उसको लहुलुहान कर दिया। जिसके बाद पुलिस ने घायल युवक को ने ट्रामा सेंटर में आनन-फानन में भर्ती करवाया, जहां घायल युवक का इलाज अभी जारी है। जानकारी के मुताबिक आपसी विवाद के चलते दोस्त रोहित ने युवक अमित पर चाकुओं से ताबड़तोड़ वार कर उसको लहूलुहान कर दिया। जिसके बाद एसपी पूर्वी सुरेश चन्द्र रावत के निर्देश पर सीओ हजरतगंज अभय कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम ने आरोपी रोहित को वारदात के कुछ ही देर बाद गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने आरोपी रोहित के पास से हमले में इस्तेमाल चाकू भी बरामद कर लिया है। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ जारी रखे है। बता दें कि इन दोनों युवक रोहित और अमित के बीच इससे पहले भी किसी बात को लेकर विवाद हो चुका है। जिसके बाद पुलिस ने उस विवाद को लेकर दोनों युवकों पर शांति भंग की धारा की 151 के अंतर्गत चालान किया था।

कारसेवकों का स्मारक बनवाने की माँग

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट द्वारा राम मन्दिर पर दिये गये फैसले का शिवसेना उ0प्र0 द्वारा स्वागत किया जाता है। आज के एतिहासिक फैसले से करोड़ों हिन्दुओं की आस्था भारत के न्यायपालिका पर और प्रगाढ़ हो गई है। करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का केन्द्र प्रभु रामलला का मन्दिर निर्माण हो, तभी सही अर्थों में स्व0 बालासाहेब के सपनों को साकार माना जायेगा और यही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आज के एतिहासिक मौके पर प्रदेश प्रमुख ठा0 अनिल सिंह ने कहा कि राम मन्दिर के हक में फैसला स्व0 बालासाहेब को सच्ची श्रद्धांजलि है।

राजधानी में एडीएम ने लिया सुरक्षा व्यवस्था का जायजा

लखनऊ। अयोध्या पर फैसला आने से पहले राजधानी लखनऊ में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम के दावे किए जा रहे है। खुद एसएसपी और डीएम जगह -जगह फोर्स के साथ पहुँच कर इलाको का निरीक्षण कर रहे है और साथ ही लोगों से अपील कर रहे है कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दे। जिस इंतेजार में सदिया बीत रही थी उसका इंतजार अब खत्म हो चुका है जी हां फैसले की घड़ी का वो अंतिम क्षण है जब अयोध्या पर फैसला सुनाया जाएगा। सुरक्षा के मद्देनजर सभी जिलों में एडवाइजरी जारी कर अफसरों को फ्लैग मार्च कर आपसी सौहार्द कायम रखने के निर्देश दिए गए है और देर रात के बाद आज सुबह भी एसएसपी कलानिधि नैथानी और डीएम विजय प्रकाश अपने अफसरों के साथ लखनऊ में चाक चौबंद व्यवस्था का जायजा लेने निकले। अफसरों के साथ उनके मातहत भी थे साथ ही साथ आरआरएफ की टुकड़ियां भी थी। डीएम अभिषेक प्रकाश ने बताया की पुलिस की कई टीमें बना कर अलग अलग इलाको में लगवाया गया है जो इलाका संवेदनशील है और इलाको में भ्रमण कर लोगो से अपील भी की जा रही है की सर्वोच्चतम न्यायालय के फैसले को अपनाए। वही अराजक तत्वों पर नजर रखने के लिए और उनसे निपटने के लिए लखनऊ की रिजर्व पुलिस लाइन में सोशल मीडिया सेल का गठन किया गया है ताकि उन लोगो को चिन्हित कर कार्यवाई की जाए जो सोशल मीडिया पर भ्रामक संदेश वाइरल कर लोगो को बरगलाते है। एसएसपी का कहना है की कई सेक्टर और जोन में पुलिस की टीमो को तैनात किया गया है और पेट्रोलिंग के लिए मोबाइल बाइक को गलियों और सड़कों में निगरानी के तौर पर अलर्ट किया गया है। एसएसपी के मुताबिक पुलिस की हिट लिस्ट में कई ऐसे लोग भी चिन्हित किये गए है जो अक्सर ऐसे महौल में माहौल बिगाड़ने की फिराक में रहते है पुलिस ने ऐसे लोगो को चेताया है और कार्रवाई का अल्टीमेटम दिया है। पुलिस के अधिकारी भी सड़क पर उतर कर लोगो से अपील कर रहे है की आपसी सौहार्द बना कर गंगा जमुना तहजीब की मिसाल पैदा करे। ताकि सब शान्ती और चौन अमन के बीच इस फैसले को स्वीकार किया जाए। वहीं, पुलिस प्रशासन भी अलर्ट मोड पर है। राजधानी में हाईअलर्ट घोषित किया गया है। अयोध्या फैसला आने के दौरान हजरतगंज चौराहे पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स मौजूद हैं। वहीं पुलिस के साथ ही मौके पर एडीएम सिटी भी सुरक्षा व्यवस्था का जायजा ले रहे है। वहीं स्कूल जा रही बच्चों से भरी बस को एडीएम व सीओ ने वापस लौटा दिया। डीएम एसएसपी समेत सीओ, इंस्पेक्टर और आरएएफके सुरक्षा कर्मी तैनात है।

हमें पूरी उम्मीद है कि यह फैसला फासलों को मिटाएगा

लखनऊ। राम मंदिर-बाबरी मस्जिद पर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर यूपी कांग्रेस के अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि हम मा. उच्चतम न्यायालय के निर्णय का सम्मान करते हैं। इस निर्णय को किसी भी पक्ष की जय और पराजय से नहीं लेना चाहिए। हमें पूरी उम्मीद है कि यह फैसला फासलों को मिटाएगा। अजय ने कहा, ' मैं पूरे प्रदेश की जनता से अनुरोध करता हूँ कि सुप्रीम कोर्ट और संविधान की मूल भावना पर अमल करते हुये आपसी भाई-चारा और सौहार्द को बनाये रखें, यही मेरी अपील है।' गौरतलब है कि शनिवार को सुनाए गए सुप्रीम कोर्ट के फैसले में विवादित जमीन विराजमान राम लला को दी गई है। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष को वैकल्पिक रूप से अलग 5 एकड़ जमीन मस्जिद बनवाने के लिए दी है।

अयोध्या प्रकरण के बाद भी हाई अलर्ट जारी,यूपी 100 मुख्यालय पहुंचे मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। शनिवार का दिन अयोध्यावासियों के लिए एक नई सुबह लेकर आया। सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक फैसले का हिंदू-मुस्लिम दोनों ही पक्षों ने

स्वागत व सम्मान किया। भले ही फैसला मंदिर निर्माण के पक्ष में आया हो लेकिन सरकार ने सजगता दिखाते हुए आनन-फानन में ऐलान किया कि कोई भी पक्ष खुशी के इजहार के लिए सड़कों पर नहीं उतरेगा। किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए सुबह से ही पुलिस व प्रशासन अलर्ट रहा। समूचे उत्तर प्रदेश में धारा 144 लागू की गई, चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किए गए, बाजारों में अचानक राशन की खरीदरी तक बढ़ गई, स्कूल-कॉलेज व सभी कोचिंग इंस्टीट्यूट बंद रहे, कई जिलों में इंटरनेट सेवाएं भी बाधित रहीं, यहं तक कि किसी भी तरह के भड़काऊ पोस्ट या बयानबाजी को लेकर भी प्रशासन अलर्ट रहा। अयोध्या प्रकरण से सद्भाव और सहजता कायम रखने की अपील की गई। अयोध्या प्रकरण के बाद यूपी में किसी भी तरह के जश्न के माहौल पर प्रतिबंध लगाया गया। सार्वजनिक स्थलों पर पुलिस ने आतिशबाजी पर रोक लगाई। एसएसपी लखनऊ ने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को आतिशबाजी बंद कराने के निर्देश दिए। सिर्फ आतिशबाजी ही नहीं बल्कि किसी भी तरह की नारेबाजी या जुलूस जो सांप्रदायिक माहौल खराब करे, पर भी प्रतिबंध लगाया गया। प्रदेश की सुरक्षा व्यवस्था को परखने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ यूपी 100 मुख्यालय पहुंचे। उनके निर्देश पर वहां इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर बनाया गया, जोन वार डेस्क बनाए गए, 112 हेल्पलाइन नंबर पर आने वाली सूचानाओं पर कड़ी नजर रखी गई। इससे पहले उन्होंने ट्वीट कर भी लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था के साथ खिलवाड़ किए जाने पर कड़ी कार्रवाई होगी। अयोध्या फैसले को लेकर पूरे राज्य में कड़े बंदोबस किए गए। प्रदेश की जेलों में अलर्ट जारी किया गया। डीजीपी जेल आनंद कुमार ने जेल के अधिकारियों को जिला प्रशासन के निरंतर संपर्क मे रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैदियों द्वारा सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। माहौल की गंभीरता को देखते हुए यूपी के नौ जिलों में इंटरनेट सेवा एक दिन के लिए बंद कर दी गई। कानपुर, अलीगढ़, मेरठ समेत कुल नौ जिलों में इंटरनेट सेवा एक दिन (8 नवंबर रात 12 बजे से लेकर 9 नवंबर रात 12 तक) के लिए प्रतिबंध कर दी गई। डीजीपी ओपी सिंह ने सख्त हिदायत दी कि किसी भी तरह के भड़काऊ बयानबाजी पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आपत्तिजनक मैसेज की शिकायत के लिए 8874327341 नंबर जारी किया।

कोलकाता में चमका बस्ती के लाल का हुनर

बस्ती - कोलकाता में चार से आठ नवंबर तक आयोजित पांचवें अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव- 2019 में बस्ती के लाल का सितारा बुलंद हुआ। कला एवं शिल्प शिक्षक आलोक शुक्ल की अखबार के कतरन से तैयार हस्तशिल्पी ने कमाल कर दिखाया। 300 से अधिक राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के शिल्पकारों में उत्तर प्रदेश से अकेले प्रतिभाग करने वाले आलोक का हुनर खूब सराहा गया। उनकी हस्तशिल्पी पर्यावरण के प्रति अनुकूल, उपयोगी और टिकाऊ होने के साथ कचरा प्रबंधन के लिए उपयुक्त माना गया। महोत्सव के दौरान राष्ट्रीय संगठन सचिव, विज्ञान भारती जयंत सहस्त्रबुद्धे एवं निदेशक, राष्ट्रीय विज्ञान संग्रहालय परिषद, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार समरेंद्र कुमार के हाथों आलोक को बेस्ट अपकमिग आर्टिस्ट आइआइएसएफ-2019 का राष्ट्रीय सम्मान, प्रशस्ति पत्र, पदक और राष्ट्रीय चिह्न मिला। उन्होंने बताया कि वह अब तक की उनकी सबसे बड़ी उपलब्धि है। वहीं आलोक की इस सफलता पर अपर बेसिक शिक्षा निदेशक ललिता प्रदीप, बीएसए अरुण कुमार ने बीईओ गौर कपिल देव द्विवेदी, डीसी एमडीएम अमित कुमार मिश्र, वरिष्ठ भाजपा नेता राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने प्रसन्नता व्यक्त की है।

गाजे-बाजे के साथ निकाली गई कलश यात्रा

बस्ती : विकास क्षेत्र के धर्मपुर गांव में शुक्रवार को गाजे-बाजे के साथ कलश यात्रा निकाली गई। यह खलवा गांव होते हुए सरयू नदी के चांदपुर तट पर पहुंची। श्रद्धालुओं ने कलश में आस्था का जल भरा। जिसे कथा स्थल धर्मपुर लाया गया। इस दौरान पुरोहितों ने वैदिक मंत्रों का उच्चारण कर कलश की स्थापना कराई। इसके बाद सात दिवसीय संगीतमयी श्रीमछ्भागवत कथा के आयोजन का शुभारंभ हुआ। कथा वाचक आशुतोष तिवारी शांडिल्य ने अमृत वाणी की वर्षा की। प्रभु के जीवन चरित्र को अंगीकार करने के लिए सभी को प्रेरित किया। कहा, नारायण भक्ति में ही सभी सुख हैं। वर्तमान परिवेश में सतसंग जरूरी है। आयोजक हरिशंकर तिवारी, पार्वती तिवारी, शिव शंकर, मंतू तिवारी, गोलू, मुन्ना मौजूद रहे।

कलेक्ट्रेट में 15 कर्मचारी मिले अनुपस्थित, वेतन रोका

बस्तीः जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट स्थित अपने कार्यालय और विकास भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट में 15 कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। इन सभी का वेतन रोकने का निर्देश दिया। वहीं विकास भवन में जिला समाज कल्याण अधिकारी को फटकार लगाई।

डीएम पहले कलेक्ट्रेट में स्थित विभिन्न कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान कर्मचारी राजेंद्र प्रसाद मौर्य, रामचंदर, उर्मिला तिवारी, कन्हैया चौधरी, मोहित यादव, मुरली मनोहर, योगेंद्र प्रसाद गौड़, दुर्गा प्रसाद मौर्य, रफीक अहमद, सुनील कुमार शाह, राजेश कुमार मौर्य, सुरेंद्र कुमार निषाद, शिवांश कुमार मिश्र, मोहित श्रीवास्तव, मधुसूदन यादव ड्यूटी से नदारद मिले। इसके बाद डीएम विकास भवन पहुंचे। सबसे पहले वह जिला समाज कल्याण अधिकारी के कार्यालय पहुंचे। वहां फाइलों को देखा और रिकार्ड दुरुस्त न मिलने पर जिला समाज कल्याण अधिकारी को फटकार लगाते हुए कार्रवाई की चेतावनी दी। कहा कि दूसरे शनिवार और रविवार को भी कार्यालय खोलकर रिकार्ड दुरुस्त करें। इसके बाद वह डीआरडीए कार्यालय पहुंचे। वहां सांसद निधि और विधायक निधि से जुड़े अभिलेखों को तलब किया। कहा कि सांसद निधि की खुद और विधायक निधि की जांच सीडीओ करेंगे। इस मौके पर सीडीओ अरविंद कुमार पांडेय, पीडी आरपी सिंह, डीडीओ अजीत कुमार श्रीवास्तव, विकास भवन कर्मचारी संघ के मंत्री रामअधार पाल आदि मौजूद रहें।

नदी में विद्युत पोल गिरा, 75 गांवों की आपूर्ति बाधित

देवरिया : गोर्रा नदी में विद्युत पोल शुक्रवार की दोपहर को गिरने से पचरूखा फीडर की आपूर्ति ठप हो गई। इससे करीब 75 गांव की आपूर्ति बाधित हो गई, जिसको लेकर लोग परेशान रहे। आलम यह है कि समय रहते अगर विभाग ने पोल को ठीक करा दिया होता तो यह समस्या उत्पन्न नहीं होती। लेकिन विभाग की उदासीनता के चलते उपभोक्ताओं को बिजली के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इससे पिड़रा, पचलड़ी, रतनपुर, करहकोल, शीतल मांझा समेत अन्य गांव प्रभावित रहे। एसडीओ एके पाल ने बताया कि नदी में रेत जमा होने के कारण परेशानी हो रही है। वैकल्पिक व्यवस्था करके आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

जुलूसे मोहम्मदी को लेकर भव्य सजावट

लखीमपुर : पैगम्बरे इस्लाम की यौमेपैदाइश का पर्व ईद-ए-मिलादुन्नबी रविवार को मनाया जाएगा। इसे लेकर अकीदतमंदों पूरे शहर को सजाया है। जगह-जगत भव्य द्वार बनाए गए हैं। रंग-बिरंगी पन्नियों और बिजली की झालरों से सजावट की गई है। सुबह गोटैयाबाग से रवाना होकर जुलूस शहर की प्रमुख सड़कों से गश्त करके मुहल्ला थरवरनगंज में पूरा होगा। इसके लिए तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कस्बे में निकलने वाले जुलूसे मोहम्मदी की तैयारियों को लेकर पिछले एक सप्ताह से अंजुमन के कार्यकर्ता जुटे हुए थे। झालरों और लाइटों की सजावट से पूरा कस्बा सजा हुआ है। शाम होते ही पूरा कस्बा खूबसूरत झालरों व सजावट से जगमगा उठा। अंजुमन रहमते मुस्तफा के लोगों ने सैय्यदवादा पुलिया पर फूलों का गेट बनाया गया है। अंजुमन दीवाने मुस्तफा के लोगों ने बैंक के सामने खूबसूरत झालरों से गेट तैयार किया है। अंजुमन मालिके कौनैन व अंजुमन गुलामने बरकात ने पूरी सड़क पर बिजली की लाइटों से सजा दिया है। अंजुमन अता ए रसूल व खादिमाने मखदूम के लोगों ने हर साल की तरह हजरत मखदूम साहब की मजार को फूलों व लाइटों से सजाया है। मरकजी कमेटी के डॉ. मतलूब अहमद, मो. सईद खान, इलियाश चिश्ती व शकील अजमानी ने बताया की जुलूसे मोहम्मदी की तैयारियां मुकम्मल कर ली गई हैं। कस्बा खीरी में पैगम्बरे इस्लाम हजरत मुहम्मद साहब की यौमे पैदाइश के मौके पर निकलने वाले जुलूस की सुरक्षा व्यवस्था व ट्रैफिक को लेकर थानाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह ने मयफोर्स के पूरे कस्बे में भ्रमण किया और सुरक्षा व्यवस्था व ट्रैफिक का जायजा लिया।

तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने अलाव ताप रहे लोगों को रौंदा, महिला की मौत

दुदही, कुशीनगर : विशुनपुरा थाने के गांव जंगल लाला छपरा के टोला दुबौली में शुक्रवार सुबह अलाव ताप रहे लोगों को तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली रौंदते हुए निकल गई। अचानक चीख-पुकार सुन जुटे लोग मौके पर पहुंचे तो एक महिला मरी पड़ी थी, जबकि तीन अन्य कराह रहे थे। आनन-फानन तीनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र दुदही ले जाया गया।

प्राथमिक उपचार बाद डाक्टर ने तीनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां तीनों की हालत गंभीर बनी हुई है। चालक गांव के बाहर ट्रैक्टर-ट्राली छोड़ फरार हो गया। गांव की ज्ञांती देवी 50 वर्ष पत्नी मोहन, उनका बेटा सुभाष 23 वर्ष तथा पड़ोस के सुदामा 40 वर्ष व कैमूल निशा 45 वर्ष पत्नी शरीफ सभी ज्ञांती के दरवाजे पर अलाव ताप रहे थे। इसी बीच क्रशर प्लांट पर गन्ना गिराकर शाहपुर खलवापट्टी की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्राली ने सभी को रौंद दिया। चपेट में आने से ज्ञांती की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य तीनों घायल हो गए। अचानक चीख-पुकार सुन जुटे परिजन व गांव के लोग घायलों को देख दंग रह गए। पीछा करते हुए गांव के बाहर पहुंचे तो चालक ट्रैक्टर-ट्राली छोड़ फरार मिला। सभी को सीएचसी ले जाया गया। चौकीदार ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस कागजी कोरम पूरा कर शव को कब्जे में ले लिया। प्रभारी निरीक्षक अनिल सोनी ने कहा कि मृतका के पुत्र की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया जा रहा। ट्रैक्टर-ट्राली को थाने लाया गया है।

शहर के प्रमुख मार्गो से निकली गुरु ग्रंथ साहब की शाही सवारी

लखीमपुर - सिख पंथ के प्रथम गुरु श्रीगुरु नानक देव की जयंती प्रकाश पर्व के रूप में 12 नवंबर को मनाई जाएगी। मंगलवार को होने वाले इस पर्व में लाखों की संख्या में सिख पंथ के श्रद्धालु संत गुरुओं की वाणी शब्द कीर्तन सुनेंगे तथा दीवान हाल में गुरु ग्रंथ साहिब को शीश झुकाएंगे। इसे लेकर शनिवार को शहर के प्रमुख मार्गों पर नगर कीर्तन निकाला गया। 550वीं जयंती को लेकर इस बार श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है। हर बार यह पर्व गुरुद्वारा निर्मल आश्रम में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है। इसके लिए निर्मल आश्रम में तैयारियां अंतिम दौर में है। महंत लक्ष्मण सिंह शास्त्री ने बताया कि मंगलवार को कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर मनाए जाने वाले गुरु नानक देव के प्राकट्य दिवस को धूमधाम के साथ मनाया जाएगा।

नदी में विद्युत पोल गिरा, 75 गांवों की आपूर्ति बाधित

देवरिया-गोर्रा नदी में विद्युत पोल शुक्रवार की दोपहर को गिरने से पचरूखा फीडर की आपूर्ति ठप हो गई। इससे करीब 75 गांव की आपूर्ति बाधित हो गई, जिसको लेकर लोग परेशान रहे। आलम यह है कि समय रहते अगर विभाग ने पोल को ठीक करा दिया होता तो यह समस्या उत्पन्न नहीं होती। लेकिन विभाग की उदासीनता के चलते उपभोक्ताओं को बिजली के लिए परेशान होना पड़ रहा है। इससे पिड़रा, पचलड़ी, रतनपुर, करहकोल, शीतल मांझा समेत अन्य गांव प्रभावित रहे। एसडीओ एके पाल ने बताया कि नदी में रेत जमा होने के कारण परेशानी हो रही है। वैकल्पिक व्यवस्था करके आपूर्ति बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है।

हैलट अस्पताल में 75 वर्षो बाद हुआ कुछ ऐसा कि मरीजों को भूखे पेट पड़ा रहना

कानपुर। एलएलआर (हैलट) व उससे संबद्ध अस्पतालों में 75 वर्षों में पहली बार मरीजों को खाना नहीं मिला। राशन खत्म होने पर गुरुवार को रसोईघर का ताला ही नहीं खुला। अस्पताल प्रशासन ने रसोईघर में कार्यरत कर्मचारियों को दूसरी जगह तैनात कर दिया है।

हैलट अस्पताल की बेड क्षमता 1055, अपर इंडिया शुगर एक्सचेंज जच्चा-बच्चा अस्पताल में 235 बेड और बाल रोग चिकित्सालय में 124 बेड हैं। उनकी कुल बेड क्षमता 1414 है। इन अस्पतालों में औसतन 90 फीसद मरीज भर्ती रहते हैं। अस्पतालों में भर्ती मरीजों को इलाज करने वाले डॉक्टर की सलाह पर नाश्ते से लेकर भोजन देने का प्रावधान है। इसके लिए शासन से बजट मुहैया कराया जाता है। वर्ष 1944 से लेकर अब तक मरीजों का भोजन कभी बंद नहीं हुआ। वित्तीय वर्ष 2019-20 में अस्पताल को भोजन मद में 60 लाख रुपये मिले थे, जो एक माह पहले ही खत्म हो गया था। ऐसे में किसी तरह राशन का प्रबंधन कर काम चल रहा था। बुधवार को राशन खत्म होने पर मरीजों को रात का भोजन दिया गया लेकिन सुबह से अस्पताल प्रशासन ने ही हाथ खड़े कर दिए, जिससे गुरुवार को मरीजों को भोजन नहीं मिला है। सर्वोच्च न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) ने आदेश दिया था कि अस्पतालों में भर्ती मरीज के साथ एक तीमारदार को भी भोजन दिया जाए। कोर्ट के आदेश के बाद शासन ने आनन-फानन आदेश जारी कर फरवरी 2019 से हैलट में भर्ती मरीज एवं एक तीमारदार को भोजन देने की व्यवस्था शुरू कराई। शासन ने शुरुआत में तमाम प्रस्ताव मांगे लेकिन बजट नहीं बढ़ाया। राशन खत्म होने पर भोजन बंद होना एक तरह से सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना है।

अस्पताल में भर्ती मरीजों को आधा लीटर बिना क्रीम का दूध दिया जाता था। बजट खत्म होने पर एक अक्टूबर से मरीजों को दूध मिलना बंद हो गया था। इससे अस्पताल प्रशासन ने शासन को अवगत कराया था।

मरीजों एवं तीमारदारों के लिए भोजन का बंदोबस्त करने के लिए अस्पताल प्रशासन ने स्वयंसेवी संस्थानों से मदद मांगी है। इसके लिए तीन चार संगठनों से बात भी चल रही है।

रामरोटी वालों से बातचीत हुई है। उनसे लावारिस मरीजों के लिए भोजन का इंतजाम कराया है। अस्पताल में खाना बंद होने की जानकारी प्राचार्य एवं महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा को दे दी है। शासन को बजट खत्म होन की जानकारी पहले दी थी, जब दूध बंद हुआ था। मार्च 2020 तक मरीजों-तीमारदारों को भोजन मुहैया कराने के लिए 60 लाख रुपये मांगे हैं।

बच्चों का दम फुला रही जहरीली हवा, आक्सीजन के साथ ही घट रही प्रतिरोधक क्षमता

कानपुर। पहले साल 200, दूसरे साल 500 और तीसरे साल 1300 बच्चे। ये वह बच्चे हैं जिनकी मासूमियत को न केवल वायु प्रदूषण ने छीन लिया, बल्कि उनके भविष्य पर भी ग्रहण लगा दिया। छोटी सी उम्र में फेफड़े जवाब देने लगे हैं तो कुछ देर हाथ-पांव चलाने पर उनका दम फूलने लगता है। रक्त में ऑक्सीजन का स्तर सामान्य (95-100 फीसद) से कम होने से रोग प्रतिरोधक क्षमता भी घट गई। नतीजतन, सर्दी-जुकाम व खांसी से लेकर अन्य संक्रमण की चपेट में बार-बार आ जाते हैं। यह चौंकाने वाले तथ्य जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के बाल रोग विभाग में हुए अध्ययन में सामने आए हैं।

एलएलआर अस्पताल (हैलट) के बाल रोग ओपीडी की अस्थमा क्लीनिक में सांस से जुड़ी बीमारियों के बच्चों की संख्या हर साल 10 फीसद की दर से बढ़ रही है। इसकी वजह जानने को बाल रोग विभाग में एक माह के बच्चों से लेकर 17 वर्ष तक के किशोरों पर अध्ययन किया गया। इसमें अब तक 2500 बच्चे पंजीकृत हो चुके हैं। इन बच्चों में चेस्ट एक्सरे एवं खून की जांच कराई गई। वायु प्रदूषण का दुष्प्रभाव पांच से दस वर्ष तक के बच्चों में अधिक मिला। जो घर से बाहर निकलते हैं और स्कूल जाते हैं। इनके श्वसन तंत्र और फेफड़े कमजोर पाए गए। रक्त में ऑक्सीजन का स्तर 90 फीसद के आसपास मिला। बार-बार बीमार पड़ने की वजह से पढ़ाई प्रभावित होती है।

प्रदूषणकारी तत्व सांस की नली में पहुंच कर एलर्जी पैदा करते हैं। सांस नली में सूजन आ जाती है, जिससे सांस लेने में दिक्कत होती है। रक्त में ऑक्सीजन की कमी से घुटन महसूस होती है। इससे दूसरे अंगों की कार्य क्षमता प्रभावित होती है।

अध्ययन में अधिकतर बच्चे जरूरतमंद एवं आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के थे। प्रदूषण से निपटने को वृहद कार्ययोजना जरूरी है। सामूहिक प्रयास किए जाएं। सरकार एवं स्कूल प्रबंधन स्वच्छ वातावरण मुहैया कराएं। माता-पिता भी खानपान पर ध्यान दें।

नए जीएसटी रिटर्न के ट्रायल के लिए भी लक्ष्य तय, इतने रिटर्न फाइल कराने होंगे जरूरी

कानपुर। जीएसटी का नया रिटर्न लागू करते समय हालात 2017 की तरह न हों, इसलिए वाणिज्य कर विभाग ने सभी जोन को ट्रायल रिटर्न भरवाने के आदेश किए हैं। शहर के जोन एक और जोन दो को 12-12 हजार ट्रायल रिटर्न फाइल कराने होंगे। एक अप्रैल 2020 से नया रिटर्न लागू होगा।

एक जुलाई 2017 को जब जीएसटी लागू किया गया था, कारोबारियों ने काफी विरोध किया था। जानकारी के अभाव में काफी समय गलत रिटर्न फाइल होते रहे। इससे वार्षिक रिटर्न फाइल होने में भी परेशानियां आ रही हैं। अब नए वित्तीय वर्ष से नया रिटर्न लागू होने जा रहा है। इसमें जीएसटीआर 1 की जगह संलग्नक 1, जीएसटीआर 2 की जगह संलग्नक 2 फाइल होगा। करदाताओं को नया रिटर्न फाइल करने में कोई मुश्किल न हो इसलिए वाणिज्य कर आयुक्त अमृता सोनी ने सभी जोन के एडीशनल कमिश्नर को ट्रायल रिटर्न भरवाने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उनका लक्ष्य भी बता दिया गया है।

इस लक्ष्य को खंड स्तर तक बांटना है। जोन व संभाग स्तर पर कार्यशाला भी होगी ताकि कारोबारी ज्यादा से ज्यादा जानकारी हासिल कर सकें। इनकी जानकारी पांच दिसंबर तक जीएसटी मुख्यालय भेजनी है। हर माह की 10 तारीख तक कितने ट्रायल रिटर्न फाइल हुए इसकी जानकारी भेजनी होगी। करदाताओं से यह जानकारी भी ली जाएगी कि उन्हें नया रिटर्न फाइल करने में क्या समस्याएं आ रही हैं। इन्हें भी हर माह की 10 तारीख तक मुख्यालय को बताना होगा।

जो लोग ट्रायल रिटर्न फाइल करेंगे, उन्हें वर्तमान में चल रहे रिटर्न को भी फाइल करना होगा। सिर्फ ट्रायल रिटर्न फाइल करने से काम नहीं चलेगा।

नया रिटर्न एक अप्रैल से लागू हो जाएगा। पिछली बार की तरह लोगों को समस्याएं न रहें। इसलिए अभी से ट्रायल रिटर्न भरवाने के लक्ष्य दिए गए हैं।

गोरखपुर में अफसर गश्त पर, सुरक्षा-व्यवस्था को चाकचौबंद बनाए रखने का निर्देश

गोरखपुर। राम मंदिर पर सुप्रीम कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला आने के बाद पुलिस व प्रशासनिक अफसर जिले के संवेदनशील इलाकों का लगातार दौरा कर रहे हैं। जगह-जगह पुलिस व मजिस्ट्रेटों की तैनाती के कारण माहौल शांतिपूर्ण है। सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाए रखने का निर्देश दिए जा रहे हैं। मंडलायुक्त जयंत नार्लिकर व एडीजी जय नारायण सिंह गोरखनाथ मंदिर, गोलघर, घंटाघर, मुख्य बाजारों में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते रहे।

मंडलायुक्त ने बताया कि मंडल में सभी प्रशासनिक अधिकारी गश्त पर हैं। डीएम-एसएसपी भी लगातार भ्रमण कर स्थितियों पर नजर रखें हुए हैं। जनजीवन सामान्य है। दुकानें खुली हैं। वाहनों का आवागमन सुचारू रूप से चल रहा है। सिर्फ शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने के आदेश दिए गए हैं। मंडलायुक्त गश्त के दौरान रुककर आम जनता से मिलकर शांति व सौहार्द बनाए रखने की अपील कर रहें हैं।

डीएम के.विजयेंद्र पांडियन व एसएसपी डा.सुनील गुप्त शहरी इलाकों से होकर ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण कर रहें हैं। शनिवार की सुबह डीएम व एसएसपी ने गोरखनाथ मंदिर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था को देखा और लोगों से बातचीत की।

इसके बाद दोनों अफसरों ने ग्रामीणों क्षेत्रों का रुख किया। डीएम व एसएसपी मानीराम पहुंचे जहां पर लोग अन्य दिनों की भांति अपने कार्य व्यस्त रहे। कस्बों में दुकानें खुली हैं। इसके बाद अफसरों का काफिला भटहट में पहुंचा। वहां भी अफसरों ने आमजन से मुलाकात कर शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग देने की अपील की।

मंडलायुक्त जयंत नार्लिकर का कहना है कि सोशल मीडिया पर नजर रखी जा रही है। आम जनता से सोशल मीडिया के सभी प्लेटफार्म ट्वीटर, वाट्सएप व फेसबुक पर बयानबाजी से बचने की अपील की जा रही है। धर्मनिरपेक्षता के विरुद्ध अफवाह फैलाने की कोशिश करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं।

मुस्तैद रहे अफसर पर कंट्रोल रूम में कोई शिकायत नहीं

लखीमपुर- अयोध्या प्रकरण पर एहतियातन प्रशासन द्वारा डीएम आवास पर कंट्रोल रूम की स्थापना की गई थी लेकिन, इतने संवेदनशील मामले के बावजूद कंट्रोल रूम के अधिकारियों तक जिले भर से एक भी शिकायत नहीं मिली। प्रभारी रत्नेश त्रिपाठी ने बताया कि सुरक्षा के लिहाज से जिले को सात जोन और 48 सेक्टर में बांटा गया है, सुबह से जोन व सेक्टर प्रभारियों से कंट्रोल रूम से संपर्क साधा गया। सभी अधिकारी अपनी तैनाती स्थल पर सुबह से ही तैनात हो गए थे।

वहीं कंट्रोल रूम पर सीडीओ अरविंद सिंह, परियोजना निदेशक रामकृपाल चौधरी, डीडीओ अरविंद कुमार, डीसी मनरेगा राजनाथ भगत, डीएसटीओ राजेश सिंह, बीएसए बुद्धिप्रिय सिंह, डीएसओ विजय प्रताप सिंह आदि मौजूद रहकर पल-पल हालात का जायजा लेते रहे। यहां तैनात क्यूआरटी सुबह से ही कंट्रोल रूम पर ही बनी रही। हालात सामान्य होने के कारण क्यूआरटी को कहीं नहीं भेजा गया।

भले ही अयोध्या प्रकरण को लेकर संवेदनशीलता चरम पर थी लेकिन, लोगों ने इसकी कोई परवाह नहीं की। कोटे की दुकानों पर पहुंचकर हजारों लोगों ने अपना गल्ला उठाया। डीएसओ विजय प्रताप सिंह ने बताया कि शहरी क्षेत्र में करीब चार हजार तथा ग्रामीण क्षेत्र में 25 हजार लोगों ने राशन लिया है।

गंगा जमुना तहजीब में कोई जहर घोल सके इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा

बिजनौर अयोध्या मामले में फैसला आने के बाद जनपद की शांति माहौल गंगा जमुना तहजीब में कोई जहर ना घोल सके इसके लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद रहा डीएमएसपी जनपद में घूमकर हालातों पर नजर रखे हुए थे दोनों अधिकारियों ने मुस्तैदी के साथ मोर्चा संभाला हुआ था इसके साथ ही अन्य अधिकारियों के काफिले भी सुबह से ही सड़कों पर दौड़ते रहे अधिकारियों ने संवेदनशील स्थानों पर गश्त भी किया जनपद में भारी संख्या में पुलिस वह भारी सैनिक बल के जवानों को तैनात किया गया जिला मुख्यालय की बात की जाए तो यहां पर भारी संख्या में पुलिस बल मुख्य चौराहे वे संवेदन शेर स्थानों पर मुस्तैदी के साथ तैनात रहा जिलाधिकारी रमाकांत पांडे पुलिस अधीक्षक संजीव त्यागी अपर पुलिस अधीक्षक देहात विश्वजीत श्रीवास्तव समेत आला अधिकारी पुलिस बल के साथ अलग-अलग स्थानों पर सुबह से ही गश्त करते नजर आए डीएम वे पुलिस अधीक्षक जनपद के हालातों पर बारीकी से नजर रखे हुए थे इतना ही नहीं संवेदनशील स्थानों पर नजर रखने के लिए ड्रोन का सहारा भी लिया गया पुलिस फोर्स में भारी सैनिक बल के साथ मिलकर शहर में फ्लैग मोर्चा किया था एसपी समेत कई अधिकारी इस दौरान मौजूद रहे थे फ्लैगमोर्चा शहर के विभिन्न स्थानों से निकाला गया भारी पुलिस बल को देखकर साफ लग रहा था की फैसला चाहे जो भी आए लेकिन किसी भी कीमत पर शांति व्यवस्था को भंग नहीं होने दिया जाएगा वहीं सुरक्षा के मद्देनजर सादी वर्दी में भी पुलिसकर्मियों को ड्यूटी पर तैनात किया गया था यह पुलिसकर्मी क्षेत्र में होने वाले क्रियाकलाप पर नजर रखे हुए थे शहर में विभिन्न स्थानों पर पुलिस के जवान मुस्तैदी के साथ तैनात रहे पुलिस अधिकारी अपने काफिले के साथ शहर में गश्त कर शहर के हालातों पर नजर रखें हुए थे उधर धामपुर नजीबाबाद नगीना नूरपुर शेरकोट अफजलगढ़ बिजनौर के सभी कस्बे गांवों में रामलला राम जन्म भूमि का फैसला राम मंदिर के पक्ष में आने के बाद हिंदू मुस्लिम समाज के लोगों में खुशी की लहर और दोनों ही समुदाय के लोगों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराकर गले लगाकर शुभकामनाएं दीदी से ऐसा प्रतीत हुआ कि कोर्ट के आदेश को जिले के तहसील कस्बा गांव में हिंदू भाई और मुसलमान भाई प्रशासनिक अधिकारियों को अपने शहर से अवगत करा रहे थे की हमारा जिला बिजनौर अमन शांति का है यहां हम सभी प्रेम भाव में रहते हैं यहां का इतिहास है कि एक दूसरे के त्यौहार पर प्रेम भावना से उनके घर घर जाकर शुभकामनाएं देते हैं आज उसी की मिसाल देखने को मिली जिसमें आज जैसे ही राम मंदिर का फैसला आया तो एक दूसरे को मुबारकबाद देने एक दूसरे के लिए प्रतिष्ठानो पर पहुंच गए और गले लगा कर खुशी का इजहार किया कई स्थानों पर भाईचारा देखने को मिला मुसलमानों ने हिंदू भाइयों को गले लगा कर खुशी का इजहार करते हुए मुबारकबाद दी

शिक्षाकर्मियों संविलियन की मांग

प्रदेश का हर जिला इस समय संविलियन की मांग से गूंज रहा है और जांजगीर जिला भी इससे अछूता नहीं है संविलियन से वंचित शिक्षाकर्मी एकजुट होकर अपने संविलियन के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और इसके लिए संविलियन अधिकार मंच के बैनर तले प्रदेश संयोजक विवेक दुबे के नेतृत्व में हर जिले में ज्ञापन सौंपा जा रहा है ऐसे में जांजगीर के शिक्षाकर्मियों ने चन्द्रपुर विधानसभा के विधायक रामकुमार यादव से मुलाकात की और विस्तार से संविलियन के मुद्दे पर चर्चा की । विधायक ने भी शिक्षाकर्मियों को लगभग आधे घंटे का समय दिया और ध्यान से उनकी सारी समस्याएं सुनी। शिक्षाकर्मियों ने विधायक को बताया कि पंचायत विभाग में अब हर जिले में हजार से भी कम कर्मचारी बचे हैं ब्लॉक में तो संख्या और भी कम है जिसके चलते शासन प्रशासन किसी का ध्यान शिक्षाकर्मियों पर नहीं है यही वजह है कि शिक्षाकर्मियों को समय पर वेतन तक नहीं मिलता है दशहरा और दिवाली जैसा त्यौहार सूखे में गुजर जाता है और अपने ही वेतन के लिए शिक्षाकर्मियों को प्रदर्शन करना पड़ता है बीते 3 साल से शिक्षाकर्मियों के लिए महंगाई भत्ता की घोषणा ही नहीं हुई है जिसके चलते उन्हें जबर्दस्त आर्थिक नुकसान झेलना पड़ा है इसके अलावा न तो शिक्षाकर्मियों के लिए अध्ययन अवकाश का प्रावधान है न स्थानांतरण का और न शिशु पालन अवकाश का, जबकि स्कूलों में वह भी उसी प्रकार की सेवाएं दे रहे हैं जैसे अन्य शिक्षक और यह सब कुछ हुआ है पूर्ववर्ती सरकार के संविलियन के लिए 8 वर्ष की बाध्यता रखने के चलते....ऐसे में इन सारी समस्याओं का हल केवल और केवल संविलियन है जो कि काँग्रेस के घोषणा पत्र में भी शामिल है ।

शिक्षाकर्मियों की पूरी बात आराम से सुनने के बाद विधायक रामकुमार यादव ने कहा कि - आप लोगों का मामला सरकार के संज्ञान में है और मुख्यमंत्री जी को भी आप लोगो की चिंता है। उन्होंने कहा भी था कि किसानों के बाद कर्मचारियों की बारी है और अब मैं खुद आप लोगों के लिए बात करूंगा और प्रयास करूंगा कि आपको जल्द से जल्द संविलियन मिले और आपकी समस्याओ का अंत हो , आप लोगों को भी सरकार पर भरोसा बनाए रखना होगा, उन्होंने अपनी तरफ से तत्काल मुख्यमंत्री को शिक्षाकर्मियों के ज्ञापन को लेकर अनुशंसा पत्र भी लिखा । शिक्षाकर्मियों की तरफ से ज्ञापन सौंपने वालों में विनोद कुमार गबेल ,संजय सिंह राठौर , मुकेश पटेल , हेमन्त गबेल , डिगेश्वर चन्द्रा , महेश कुमार लहरे , राजेन्द्र टण्डन , पूनम चन्द चौहान ,रमेश कुमार साहू , चन्द्रिका देवांगन , दिनेश कुमार पटेल ,रवि पुंज खूंटे ,सत्येंद्र सिंह राठौर , टंकेश्वर सिंह मरावी , सुरजीत सिंह गोंड ,राजकिशोर सिदार ,संदीप ढिढी ,राजू कुमार बरेठ , अरविंद कुमार , राम चरन सिदार ,चन्द्रिका प्रसाद देवांगन , पप्पू कुमार धीरज ,विजय पटेल , रविशंकर जांगड़े , महेंद्र कुमार पंकज ,धीरज गिरी गोस्वामी , प्यारे लाल बघेल ,अशोक सर , विशाल सिंह कंवर ,नानू कुमार यादव आदि शिक्षक शामिल थे ।

डीएम का कड़ा रवैया देख, अधिकारियों के हाथ पैर फूले

डलमऊ/रायबरेली। आप लोग सुधर जाओ वरना ,ठीक नहीं होगा मेले की तैयारियां कागजों पर ही रेंग रही हैं ।लेकिन हकीकत में मेला क्षेत्र के अंतर्गत अव्यवस्थाओं का ही बोलबाला है ।आप लोग क्या करते हैं। इस तरह तैयारियां होती हैं क्या , एसडीएम और तहसीलदार आप लोग अभी तत्काल मीटिंग हॉल से बाहर निकल जाओ ।आप लोगों को कुछ काम नहीं करना सिर्फ ऑफिसों में बैठना है ।उक्त बातें सख्त रुख अपनाते हुए डीएम शुभ्रा सक्सेना ने बैठक में अधिकारियों से कहीं ।10 नवंबर से लगने वाले ऐतिहासिक कार्तिक पूर्णिमा मेले में लगभग 10 से 15 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान प्रशासन कर रहा है। जिसकी तैयारियां लगभग एक माह से चल रही है। लेकिन धरातल पर तैयारियां नजर नहीं आ रही है। शुक्रवार को मेले की तैयारियों को लेकर विभिन्न विभाग के अधिकारियों के साथ डीएम शुभ्रा सक्सेना और एसपी स्वप्निल मंमगैन ने तहसील परिसर के सभागार में बैठक आयोजित की। बैठक में सभी अधिकारी यही कहते रहे तैयारियां 2 दिन के अंदर पूरी हो जाएंगी, पूर्णतया तैयारी किसी भी अधिकारी ने पूरी नहीं कर रखी थी ।इस पर जब डीएम ने एसडीएम और तहसीलदार से मेले में क्या-क्या तैयारियां हुई है, और कौन सी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। डीएम के सवाल पर तहसीलदार और एसडीएम कुछ भी बताने में असमर्थ रहे। जिस पर डीएम ने एसडीएम और तहसीलदार को मीटिंग हाल से बाहर निकल जाने को कहा। डीएम के सख्त तेवर देख अन्य अधिकारियों के भी पसीने छूटने लगे। वही कस्बे के स्नान घाटों पर नमामि गंगे योजना के द्वारा सुंदरीकरण एवं निर्माण कार्य कराया गया है, घाटों पर हाई मास्क लाइट लगी हुई है ।लेकिन अभी तक विद्युत विभाग से कनेक्शन नहीं लिया गया है। जिससे वह लाइट नहीं जल रही हैं । विद्युत विभाग के एक्सईएन ने जब डीएम से नमामि गंगे योजना द्वारा विद्युत कनेक्शन ना लिए जाने की बात कही तो डीएम ने कहा कि दोनों विभाग आपस में समझ ले और 24 घंटे के अंदर घाटों पर लाइट की व्यवस्था करें वरना दोनों के लिए ठीक नहीं होगा । स्नान घाटों पर सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था से लेकर अन्य महत्वपूर्ण व्यवस्थाओं पर 24 घंटे के अंदर तैयारियों को पूर्ण करने की निर्देश दिए हैं ।एसपी ने पुलिस विभाग को निर्देशित किया कि वाहन पार्किंग स्थल पर किसी भी प्रकार की श्रद्धालुओं को परेशानी ना हो मैप के अनुसार ही मेला संपन्न कराया जाए। बैठक के दौरान जब कोतवाली प्रभारी मेला क्षेत्र में हुई तैयारियों को एसपी को बताने लगे तो एसपी ने उनके कार्यों की प्रशंसा की। इस मौके पर एसडीएम सविता यादव, तहसीलदार प्रतीक त्रिपाठी, नायब तहसीलदाार विनोद चौधरी, क्षेत्राधिकारी आरपी शाही, प्रभारी श्री राम, अधिशासी अधिकारी अमित कुमार सिंह , नगर पंचायत अध्यक्ष बृजेश दत्त गौड़ सहित आदि लोग मौजूद रहे।

पर्वों पर कोई भी नई परम्परा की न हो शुरूवात -शुभ्रा

रायबरेली - अयोध्या मामले में सम्भावित फैसले के मद्देनजर व पर्व ईद-ए-मिलाद/बारावफात, गुरूनानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा, वीरांगना ऊदा देवी शहीद दिवस, गुरूतेगबहादुर शहीद दिवस आदि को देखते हुए जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना व पुलिस अधीक्षक स्वप्निल ममगाई ने बचत भवन के सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करते हुए निर्देश दिये कि वह क्षेत्र में भ्रमण कर क्षेत्र की संवेदनशीलता को बनाये रखने के साथ ही शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए ड्यूटी पर लगाये गये अधिकारियो/कर्मचारियों से सामंजस्य बनाकर क्षेत्र में शान्ति एवं कानून व्यवस्था को दुरूस्त रखने का कार्य करें। उन्होंने कहा कि अगामी 15 दिसम्बर तक कोई भी अधिकारी/कर्मचारी किसी भी दशा में मुख्यालय न छोड़े जो भी अवकाश लिया है उसे रद समझे साथ ही कोई महत्वपूर्ण कारण आदि हो तो जिलाधिकारी की अनुमति लेकर जाये। पुलिस, प्रशासनिक अधिकारी आदि से बेहतर सामन्जस्य बनाकर टीम भावना से कार्य कर प्रत्येक दशा में सभी धर्मो व सम्प्रदाय के लोगों से आपसी सौहार्द भाई चारा बनाये रखने की अपील के साथ ही अन्य कार्यवाही करें। उन्होंने कहा कि अयोध्या मामले में आने वाले फैसले को लेकर जिला एवं पुलिस प्रशासन ने रणनीति तैयार करते हुए संवेदनशील स्थलों व असामाजिक तत्वों को निरन्तर चिन्हित कर कार्यवाही करते रहे है। युवाओं की गतिविधियों पर विशेष ध्यान रखा जाये। सोशल साइट्स पर किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी निगरानी रखी जाये। गड़बड़ी फैलाने का प्रयास करने वालों को कतई बक्शा नहीं जायेगा तथा कठोर कार्यवाही अमल में लाकर कार्यवाही करें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि पर्वो पर कोई भी नई परम्परा की शुरूवात न हो पर्वो का उद्देश्य भाईचारा सौहार्दपूर्ण वातावरण राष्ट्रीय एकता अखण्डता में वृद्धि लाना है।

जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना ने एडीएम प्रशासन राम अभिलाष को निर्देश देते हुए कहा कि जनपद में वर्तमान में धारा 144 भी प्रभावी है। इसके प्राविधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित कराया जाये। अपने-अपने क्षेत्रों भ्रमण के साथ ही निरन्तर शान्ति समिति की बैठक करने के साथ ही आमजन को बताया जाये कि पूर्व के भाति अपने-अपने क्षेत्रों में मिलजुल कर रहे और क्षेत्रों की कड़ी निगरानी करे तथा अफवाह फैलाये जाने वालों पर निगरानी करके उन्हें विरूद्ध प्रशासन को अवगत भी करते रहे। अफवाह फैलाये जाने वालों पर कानून अपना कार्य करेगा। नगर व गांव के प्रमुख मार्गो पर पुलिस फोर्स के साथ सुबह शाम रूट मार्च निकाला जाये। सभी धर्मो सम्प्रदाओं के लोगों को बुलाकर उनसे परस्पर विचार विमर्श कर शान्ति व्यवस्था भाई चारा बनाये रखने के लिए ग्रामीण स्तर पर दूरदराज तक पैठ बनाये। उन्होंने कहा कि ग्राम प्रहरी व कोटेदार गांव के मध्य की एक महत्वपूर्ण कड़ी है जिसे प्रत्येक दशा में सक्रिय कर क्षेत्रों की संवेदनशीलता पर कड़ी नजर रखे। गड़बड़ी फैलाने वालों पर तत्काल कार्यवाही भी करे। प्रत्येक थानों/तहसीलों में कोटेदार, ग्राम प्रहरी, बुद्धिजीवी, समाज सेविओं वृद्धजन युवाओं आदि को बुलाकर उनकी साथ बैठकर कानून एवं शान्ति व्यवस्था को बरकरार रखने को कहे। इसके अलावा सभी समस्त तहसीलों जिला स्तर पर अस्थाई जेल का भी रूप दें ताकि चिन्हित असामाजिक तत्वों, अफवाह फैलाने वालों आदि को बन्द करने की कार्यवाही की जा सके।

जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना ने बताया कि जनपद में शान्ति व्यवस्था बनाए रखने के लिए एवं प्रत्येक स्थिति में प्रभावी नियत्रण रखने के लिए एक नियंत्रण कक्ष स्थापित कर दिया गया है जिसका फोन नम्बर 0535-2203320 है। इसके साथ ही नियंत्रण कक्ष में आर0टी0 सेट लगाया गया है। नियंत्रण कक्ष के नोडल अधिकारी राजेन्द्र कुमार शुक्ला, अतिरिक्त मजिस्ट्रेट है। नियंत्रण कक्ष में तीन शिफ्ट में कर्मचारी व अधिकारी की ड्यूटी लगाई गई है। नियंत्रण कक्ष पर आने वाली सूचनाओं को सम्बन्धित अधिकारी को प्रेषित कर एवं समय से उसका निस्तारण कराए जाने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिये है कि कन्ट्रोल रूम को पूरी तरह से सक्रिय रखा जाये। उन्होने कहा कि कंट्रोल रूम की जानकारी अधिकारी आमजन को भी दे ताकि आमजन किसी भी प्रकार की जानकारी की सूचना दे सके। सभी थाना प्रभारी अपने-अपने क्षेत्रों में किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी निगरानी रखे तथा गड़बड़ी फैलाने का प्रयास करने वालों के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही तत्काल अमल में लायी जाये। उन्होंने सभी अधिकारियों व जन प्रतिनिधियों से अपील की है कि वह ऐसा कोई कार्य किसी के बहकावें में आकर कतई न करें जिससे कि कानून का उल्लंघन हो। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी राकेश कुमार, अपर जिलाधिकारी वि0रा0 प्रेम प्रकाश उपाध्याय व प्रशासन राम अभिलाष, एसडीएम सदर शशांक त्रिपाठी, मुख्य चिकित्साधिकारी डा0 शरद कुमार वर्मा, डीएफओ तुलसीदास शर्मा, डा0 अलताफ, समस्त एसडीएम, तहसीलदार, सीओ व थाना प्रभारी, बीएसए, ग्राम विकास अधिकारी एडी सूचना प्रमोद कुमार आदि जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

कार्तिक पूर्णिमा मेला की सभी व्यवस्था रखे दुरूस्त -डीएम

रायबरेली -कार्तिक पूर्णिमा मेला डलमऊ में मुख्य स्नान पर्व 12 नवम्बर को, गंगा आरती व मेले का उद्घाटन 11 नवम्बर को किया जायेगा। डलमऊ मेला/महोत्सव का आयोजन नगर पंचायत डलमऊ द्वारा 9 नवम्बर से 18 नवम्बर तक आयोजित किया गया है। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी शुभ्रा सक्सेना की अध्यक्षता में तहसील डलमऊ के सभागार में कार्तिक पूर्णिमा मेले से सम्बन्धित अधिकारियो के साथ बैठक की तथा निर्देश दिये कि कार्तिक पूर्णिमा की सभी तैयारियां दुरूस्त रखे उन्होंने जिन अधिकारियों की तैयारियां आधी-अधूरी थी उन्हें कड़ी फटकार लगाते हुए निर्देश दिये कि कल तक सभी तैयार को पूर्ण कर अवगत कराये। उन्हें

एसडीएम सविता यादव व तहसीलदार को निर्देश दिये कि सभी तैयारियां पूर्ण होने व मेले का शुभारम्भ आदि की व्यवस्था को दुरूस्त रखते हुए जानकारियां एडीएम ई आदि को दें। उन्होंने कहा कि मेले में किसी भी प्रकार की नई परम्परा की शुरूवात न हो। मेला गंगा जमुना तहजीब का सशक्त हस्ताक्षर है। इसी लिए सभी प्रकार की व्यवस्था को दुरूस्त रहे ताकि सफल मेले की महक दूर-दूर फैले तथा जनपद का नाम भी रोशन हो सके। मेले में साफ-सफाई दुरूस्त रहने के साथ ही नाव, गोताखोर, प्रशिक्षित नाव चालक आदि रहे तथा महिलाओं के लिए शौचालय व चैजिंग रूम की भी व्यवस्था रहे। गंगा आरती के दौरान यातायात व्यवस्था पार्किग आदि भी व्यवस्था को दुरूस्त रखी जाये। इसके अलावा अन्य बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस मौके पर पुलिस अधीक्षक स्वप्निल ममगाई ने भी सुरक्षा व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी दी तथा सम्बन्धित सीओ व सुरक्षा कर्मियों को सतर्क रहने के दिये निर्देश तथा मेले की ड्यूटी को निर्वहन भली-भांति करें।

विराट किसान मेला 10 नवम्बर से 14 नवम्बर तक

मंत्री कृषि व ग्राम्य विकास को किया गया है आमंत्रित

रायबरेली -कृषि विभाग द्वारा डलमऊ में परम्परागत कार्तिक पूर्णिमा मेला के अवसर पर गंगाघाट रोड, डलमऊ भागीरथी गेस्ट हाउस के सामने 5 दिवसीय विराट किसान मेला का आयोजन 10 नवम्बर को पूर्वान्ह 10:30 बजे से 14 नवम्बर तक आयोजित किया जायेगा। मेले का उद्देश्य कृषकों को तकनीकी जानकारी व उसके आय में वृद्धि, कृषि उत्पादन में स्थाई एवं नियमित वृद्धि के साथ ही कृषकों का आर्थिक एवं सामाजिक उन्नयन, कृषकों में कल्याणकारी योजनाओं आदि की जानकारी देना है। विराट किसान मेले में प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, ग्राम विकास मंत्री राजेन्द्र सिंह उर्फ मोती सिंह, कृषि राज्यमंत्री लाखन सिंह राजपूत तथा जिला पंचायत अध्यक्ष, सांसद, विधायकगण जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी आदि को आमंत्रित किया गया है।

इन जगहों पर हैं भारी अव्यवस्थाऐं

कार्तिक पूर्णिमा मेले की तैयारियों को लेकर स्थानीय अधिकारियों ने जमकर पसीना बहाया लेकिन अवस्थाएं उन पर हावी रही। यहां तक कि तैयारियों को लेकर बार-बार बैठक भी होती रही लेकिन उसका असर कहीं भी नहीं दिख रहा है। कस्बे की श्मशान घाट पर भारी गंदगी व्याप्त है, अभी तक श्मशान घाट पर साफ सफाई नहीं पूरी हो चुकी, सिंचाई विभाग को नहर की पटरी के पास एकत्रित बालू हटाने के लिए एक माह पहले डीएम ने निर्देशित किया था लेकिन अभी तक बालू नहीं हटी जिससे मार्ग पर आवागमन करने में श्रद्धालुओं को भारी समस्या उत्पन्न होगी, कस्बे के किला घाट से मुराई बाग जाने वाले मार्ग पूर्ण रूप से बदहाल है उस पर साफ सफाई का कार्य नहीं कराया गया। यहां तक कि मेले में जो भी तैयारियां धरातल पर उतरी है वह नगर पंचायत की ही देन है वहीं अन्य अधिकारियों द्वारा पहले ही हाथ खड़े कर दिया गया। वही डलमऊ रायबरेली मुख्य मार्ग पर क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण कार्य ना होने से डीएम पीडब्ल्यूडी विभाग को जमकर फटकार लगाई और तत्काल पुलिया को चौड़ीकरण करने के लिए निर्देशित किया।

आस्ट्रेलिया के जंगल में आग से 2 लोगों की मौत

सिडनी आस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स क्षेत्र की ग्रामीण दमकल सेवा ने शनिवार को कहा कि पूर्वी आस्ट्रेलिया के जंगल में लगी आग से दो लोगों की मौत हो गयी तथा सात लोग लापता हैं और कम से कम 150 घर नष्ट हो गये हैं। इससे एक दिन पहले दमकल विभाग ने कहा था कि इस घटना में कम से कम 30 लोग घायल हुये और तीन लापता हैं तथा कम से कम 100 घर नष्ट हुये हैं। दमकल विभाग ने ट्वीट में बताया कि जंगल में लगी आग से दो लोगों की मौत हो गयी और सात लोग लापता हैं तथा कम से कम 150 घर जल कर नष्ट हो गये हैं। विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए न्यू साउथ वेल्स और क्यूंसलैंड के क्षेत्रों को छोड़ने की लोगों को सलाह दी है।

करतारपुर गलियारा खोलना पाक की प्रतिबद्धता का प्रमाणः इमरान

इस्लामाबाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को कहा कि ऐतिहासिक करतारपुर साहिब गलियारे को खोलना क्षेत्रीय शांति बनाए रखने में पाकिस्तान की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। इसके साथ ही उन्होंने सिख धर्म के संस्थापक बाबा गुरु नानक देव की 550वीं जयंती पर सिख समुदाय को बधाई दी। करतारपुर गलियारा भारत के पंजाब में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे को पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में नारोवाल जिले के करतारपुर स्थित दरबार साहिब से जोड़ता है। यह गलियारा शनिवार को खुल गया जो दोनों देशों के बीच संबंधों में बेहतरी की उम्मीद देने के साथ लोगों के बीच आपसी संपर्क की ऐतिहासिक पहल है। गुरुद्वारा करतारपुर साहिब पाकिस्तान में रावी नदी के पार स्थित है और यह पंजाब

के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से करीब चार किलोमीटर दूर स्थित है। करतारपुर साहिब गलियारे को खोलने के मौके पर अपने संदेश में प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारा मानना है कि क्षेत्र की समृद्धि का रास्ता और आने वाली पीढ़ियों का उज्ज्वल भविष्य शांति में निहित है। सरकारी रेडियो पाकिस्तान ने उनके हवाले से कहा, ''आज हम केवल सीमा नहीं खोल रहे हैं बल्कि सिख समुदाय के लिए अपने दिलों को भी खोल रहे हैं। खान ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा दिखायी सद्भावना की अभूतपूर्व भावना बाबा गुरु नानक देव और सिख समुदाय की धार्मिक भावनाओं के लिए उसके गहरे सम्मान को दर्शाती है खबर के अनुसार, खान ने इस ऐतिहासिक दिन पर सीमा के दोनों ओर तथा दुनियाभर के सिख समुदाय को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का मानना है कि परस्पर सौहार्द और शांति के एक साथ रहने से इस उपमहाद्वीप के लोगों के वृहद हितों के लिए काम करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि मुसलमान धार्मिक स्थलों और प्रार्थना स्थलों की पवित्रता तथा प्रतिष्ठा का सम्मान करते हैं। भारत के सिख श्रद्धालु शनिवार को बहु प्रतीक्षित करतारपुर गलियारे के उद्घाटन समारोह में शामिल होने के लिए आव्रजन के वास्ते जीरो प्वाइंट पर पहुंचे। एआरवाई न्यूज के अनुसार, सिख श्रद्धालुओं का पहला समूह सीमा टर्मिनल पर पहुंच गया है और शांतिपूर्ण तरीके से आव्रजन प्रक्रिया से गुजरा।पाकिस्तान ने आव्रजन के लिए 76 काउंटर बनाए हैं। सिख श्रद्धालु गुरुद्वारा करतारपुर साहिब पहुंच गए हैं। उसने बताया कि पाकिस्तान ने शनिवार और 12 नवंबर को 20 डॉलर के सेवा शुल्क तथा पासपोर्ट की अनिवार्यता को रद्द कर दिया है। 12 नवंबर को गुरु नानक देव की 550वीं जयंती के पूर्व बहु प्रतीक्षित गलियारे को खोलने के अवसर पर सीमा के दोनों ओर अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए गए।

बांग्लादेश में चक्रवात 'बुलबुल का खतरा, अलर्ट जारी

ढाका बंगाल की खाड़ी में एक शक्तिशाली तूफान के बांग्लादेश के दक्षिणपश्चिम और दक्षिण तट पर पहुंचने की आशंका के मद्देनजर वहां अधिकारियों ने 50,000 से अधिक स्वयंसेवकों को तैयार रहने को कहा है। ढाका में मौसम कार्यालय ने शनिवार सुबह सबसे गंभीर तूफान की चेतावनी जारी की। चक्रवात बुलबुल के शनिवार शाम को तट पर पहुंचने की आशंका है। आपदा प्रबंधन मंत्री इनामुल हक ने कहा कि 13 तटीय जिलों में सरकारी कार्यालयों ने कामकाज निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने चटगांव समेत देश के मुख्य बंदरगाहों में सभी गतिविधियों को निलंबित कर दिया है। हजारों शिविरों को खोला गया है।

पाक मीडिया में भी राम मंदिर फैसले की गूंज

करतारपुर कॉरिडोर का एनकाउंटर

इस्लामाबाद सुप्रीम कोर्ट के अयोध्या राम मंदिर को लेकर आए ऐतिहासिक फैसले की गूंज पाकिस्तान में भी सुनाई दे रही है। पाक मीडिया में इसको लेकर हैरानीजनक प्रतिक्रिया सामने आई है। पाकिस्तान के मीडिया में करतारपुर कॉरिडोर जैसे ऐतिहासिक पलों को दरकिनार कर अयोध्या मामले को सुर्खियां बनाते सुप्रीम कोर्ट के राम मंदिर बनाने के फैसले को मुस्लिम समुदाय के साथ बड़ी नाइंसाफी बताया गया है। पाक टीवी चौनलों पर बहस का हिस्सा बन रहे विशेषज्ञों का कहना है कि यह एकतरफ और राजनीति से प्रभावित व दबाव में लिया गया फैसला है। उनका कहना कि अदालत ने प्रधानमंत्री मोदी को खुश करने के लिए हिंदुओं के हक में फैसला दिया। पाक मीडिया के अनुसार राम मंदिर के फैसले की तारीख बदल कर करतारपुर कॉरिडोर के एतिहासिक दिन का एंकाउंटर कर दिया गया। कहा जा रहा है कि भारत में विपक्ष भी मोदी के दबाव में हैं और सरकार के किसी भी फैसले के खिलाफ आवाज उठाने में नाकामयाब साबित हो रहा है।

उनका कहना है कि भारत में मुसलमानों सहित सभी अल्पसंख्यक असुरक्षित हैं और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र कहलाने वाला देश भारत अपने उदार व स्वार्थहीन असली एजेंडे से भटक गया है। पाक मीडिया का कहना है कि पाकिस्तान से करतारपुर कॉरिडोर का श्रेय छीनने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने जानबूझ कर फैसले की तारीख में तबदीली करवाई ताकि पूरी दुनिया का ध्यान इससे हटाया जा सके और मोदी इसमें कामयाब भी हो गए। पाक मीडिया के अनुसार कश्मीर फैसले के बाद मोदी ने अयोध्या पर मुसलमानों को बड़ा झटका दिया है। अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए विवादित जमीन रामजन्मभूमि न्यास को देने का फैसला किया है जबकि मुस्लिम पक्ष को अलग स्थान पर जगह देने के लिए कहा गया है। सुप्रीम कोर्ट की 5 जजों की संविधान पीठ ने शनिवार को अयोध्या केस पर फैसला सुनाया। चीफजस्टिस रंजन गोगोई ने 45 मिनट तक फैसला पढ़ा और कहा कि मंदिर निर्माण के लिए ट्रस्ट बनाया जाए और इसकी योजना 3 महीने में तैयार की जाए। कोर्ट ने 2.77 एकड़ की विवादित जमीन रामलला विराजमान को देने का आदेश दिया और कहा कि मुस्लिम पक्ष को मस्जिद निर्माण के लिए 5 एकड़ वैकल्पिक जमीन आवंटित की जाए। सीजेआई गोगोई ने कहा कि हिंदू-मुस्लिम विवादित स्थान को जन्मस्थान मानते हैं, लेकिन आस्था से मालिकाना हक तय नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि ढहाया गया ढांचा ही भगवान राम का जन्मस्थान है, हिंदुओं की यह आस्था निर्विवादित है।

फिनलैंड के द्वीप पर दिखे दुर्लभ अंडे

हेलसिंकी फिनलैंड के हैलुओतो द्वीप के मार्जेनेमी बीच पर एक दंपति को हजारों की संख्या में अंडे के आकार के दुर्लभ बर्फ के गोले दिखे। ये श्अंडेश् समुद्र के किनारे करीब 30 मीटर तक फैले थे। तस्वीर खींचने वाले रिस्तो मतीला ने बताया कि गोले बर्फके अंडे जैसे दिखाई दे रहे थे। सबसे बड़ा अंडा फुटबॉल के आकार का था। फिनिश मौसम विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञ, जौनी वेनियो ने कहा कि यह घटना सामान्य नहीं, बल्कि चिंता का विषय है। सोशल मीडिया पर इन अंडों की तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं। लेकिन सही मौसम की स्थिति में साल में एक बार ऐसा हो सकता है। जब हवा का सही तापमान (केवल शून्य से थोड़ा नीचे), पानी का सही तापमान (हिमांक के करीब) हो। इलिनोइस स्टेट यूनिवर्सिटी में भूगोल-भूविज्ञान के एमेरिटस प्रोफेसर डॉ. जेम्स कार्टर के अनुसार, शरद ऋतु में ऐसा देखने के लिए मिल जाता है, क्योंकि यह तब जब पानी की सतह पर बर्फबनना शुरू हो जाती है। जब लहरें आती जाती हैं तब भी ऐसा हो सकता है। मैं इस तरह की तस्वीर को देख सकता हूं। फोटो और कमेंट को साझा करने वाले फोटोग्राफ़र के लिए धन्यवाद, अब दुनिया में कुछ ऐसा देखने को मिलता है, जो हममें से ज्यादातर लोग कभी नहीं देख पाएंगे।

मोदी ने छीन ली हमारी बड़ी खुशी-कुरैशी

पेशावर-करतारपुर गलियारा खोले जाने के दिन अयोध्या मामले में आए फैसले पर सवाल उठाते हुए पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमारी बड़ी खुशी छीन ली और वह भारत सरकार की इस तरह के खुशी के मौके पर दिखाए गई ''असंवेदनशीलता से ''बेहद दुखी हैं। डॉन न्यूज टीवी ने कुरैशी के हवाले से कहा, '' क्या इसको थोड़े दिन टाला नहीं जा सकता था? मैं इस खुशी के मौके पर दिखाए गई ''असंवेदनशीलता से ''बेहद दुखी हूं। करतारपुर गलियारे के बहुप्रतीक्षित उद्घाटन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, '' आपको इससे ध्यान भटकाने की बजाय इस खुशी के मौके का हिस्सा बनना चाहिए था। यह विवाद संवेदनशील था और उसे इस शुभ दिन का हिस्सा नहीं बनाना चाहिए था।यह गलियारा

गुरदासपुर में बाबा नानक गुरुद्वारे को पाकिस्तान के करतारपुर स्थित दरबार साहिब से जोड़ता है। यहां गुरु नानक देव ने अपने जीवन के अंतिम वर्ष बिताए थे। गुरुद्वारा करतारपुर साहिब पाकिस्तान की रावी नदी के पास स्थित है और पंजाब के गुरदासपुर जिले में डेरा बाबा नानक गुरुद्वारे से करीब चार किलोमीटर दूर है। इस साल 12 नवंबर को गुरु नानक की 550वीं जयंती के जश्न के हिस्से के रूप में इसे खोला गया है।पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने कहा कि मुस्लिम'' भारत में पहले ही काफी दबाव में है और भारतीय अदालत का यह फैसला उन पर और दबाव बढ़ाएगा। कुरैशी ने कहा कि पाकिस्तान फैसले को विस्तार से पढ़ने के बाद इस पर अपनी प्रतिक्रिया देगा। इस बीच, पाकिस्तान के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री फवाद हुसैन ने फैसले को '' शर्मनाक, बेहूदा, अवैध और अनैतिक करार दिया। सरकारी पाकिस्तानी रेडियो की एक खबर के अनुसार सूचना और प्रसारण मामलों में प्रधानमंत्री की विशेष सहायक फिरदौस एवान ने फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भारतीय शीर्ष अदालत ने बता दिया कि वह स्वतंत्र नहीं है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां करतारपुर गलियारा खोल पाकिस्तान अल्पसंख्यकों के अधिकार सुनिश्चित कर रहा है वहीं दूसरी ओर भारत मुसलमानों सहित अल्पसंख्यकों पर जुल्म कर रहा है।

पुरानी बातों को भुलाकर मिलजुल कर मंदिर बनाएं

नई दिल्ली अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि दशकों तक चली लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद यह विधिसम्मत और 'अंतिम निर्णय हुआ है। उन्होंने कहा कि अब अतीत की बातों को भुलाकर सभी को मिलकर भव्य राममंदिर का निर्माण करना है हालांकि भागवत ने काशी और मथुरा के सवाल पर सीधे जवाब नहीं देते हुए कहा कि आंदोलन करना संघ का काम नहीं है। उच्चतम न्यायालय ने शनिवार को अयोध्या में विवादित स्थल राम जन्मभूमि पर मंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हुये केन्द्र सरकार को निर्देश दिया कि सुन्नी वक्फबोर्ड को मस्जिद के निर्माण के लिये पांच एकड़ भूमि आवंटित की जाये। भागवत ने अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले के कुछ घंटे बाद ही पत्रकार वार्ता में कहा कि रामजन्मभूमि के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा इस देश की जनभावना, आस्था और श्रद्धा को न्याय देने वाले निर्णय का संघ स्वागत करता है। दशकों तक चली लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद यह विधिसम्मत अंतिम निर्णय हुआ है। उन्होंने देशवासियों से संयम बनाये रखने की अपील करते हुए कहा कि इस निर्णय को जय, पराजय की दृष्टि से नहीं देखना चाहिये। संघ प्रमुख ने कहा कि संपूर्ण देशवासियों से अनुरोध है कि विधि और संविधान की मर्यादा में रहकर संयमित और सात्विक रीति से अपने आनंद को अभिव्यक्त करें। उन्हें विश्वास है कि इस विवाद के समापन की दिशा में न्यायालय के निर्णय के अनुरूप परस्पर विवाद को समाप्त करने वाली पहल सरकार की ओर से शीघ्र होगी उन्होंने कहा कि अतीत की सभी बातों को भुलाकर हम सभी मिलकर रामजन्मभूमि पर भव्य राममंदिर के निर्माण में अपने कर्तव्य का पालन करेंगे।

अयोध्या के बाद काशी और मथुरा में भावी योजना के बारे में पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि संघ आंदोलन नहीं करता, संघ का काम मनुष्य निर्माण है। कुछ ऐतिहासिक पृष्ठभूमि रही है, मेरे अखिल भारतीय पदाधिकारी बनने के पहले, उसके कारण संघ इस (रामजन्मभूमि) आंदोलन में एक संगठन के नाते जुड़ गया जो एक अपवाद है। आगे हम मनुष्य निर्माण के कारण में जुड़ जायेंगे। आंदोलन के विषय हमारे विषय नहीं रहते तो हम इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। पांच एकड भूमि सुन्नी वक्फबोर्ड को देने के न्यायालय के फैसले पर प्रतिक्रिया के सवाल पर संघ प्रमुख ने कहा कि यह न्यायालय का निर्णय है। इसे हम स्वीकार करते हैं। मैने विजयादशमी के भाषण में भी कहा था कि हम फैसला मानेंगे और हम मान रहे हैं। हमें विवाद समाप्त करना है। यह पूछने पर कि इस विवाद का हल आपसी सहमति से भी निकल सकता था, तो भागवत ने कहा कि इसकी पहल पहले हुई थी लेकिन सफल नहीं हुई और तभी यहां तक बात आई। उन्होंने कहा कि ठीक है देर आये, दुरुस्त आये। मुस्लिमों के लिये उनका क्या संदेश होगा, इस सवाल पर भागवत ने कहा कि भारत का नागरिक तो भारत का नागरिक है, उसमें हिंदू मुस्लिम के लिये अलग संदेश क्यों। हम सबको मिलकर रहना है, देश को आगे बढ़ाना है। यह सदा सर्वदा के लिये हमारा संदेश है।

भारत पेट्रोलियम के विनिवेश पर मंत्रिमंडल ने अभी तक कोई फैसला नहीं लिया

मुंबई सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) को उसके निजीकरण को लेकर सरकार की ओर से कोई आधिकारिक सूचना नहीं मिली है। एक शीर्ष अधिकारी ने यह बात कही। संभावना है कि सरकार तेल विपणन और रिफाइनिंग कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लि. (बीपीसीएल) में प्रबंधन नियंत्रण के साथ अपनी पूरी 53.29 प्रतिशत हिस्सेदारी करीब 70,900 करोड़ रुपये में बेच सकती है। बीपीसीएल के निदेशक (वित्त) एन. विजयगोपाल ने संवाददाताओं से कहा, श्जहां तक निजीकरण की बात है तो कंपनी को आधिकारिक तौर पर अभी तक कोई जानकारी नहीं दी गई है। मुझे सरकार की तरफसे किसी ठोस प्रस्ताव के बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं मिली है।ष् उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल को बीपीसीएल के विनिवेश पर अभी फैसला लेना है। विजयगोपाल ने कहा, श्मंत्रिमंडल की समिति के स्तर पर फैसला लिया जा सकता है और ऐसा अभी तक नहीं हुआ है।ष् यह अनुमान लगाया जा रहा है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल अगले सप्ताह तक बीपीसीएल के निजीकरण के प्रस्ताव पर फैसला ले सकता है।

अयोध्या पर सुप्रीम फैसले के बाद एकजुट दिखा देश

नई दिल्ली देश के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। सबसे बड़े और सबसे पुराने अयोध्या विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने आज श्सुप्रीम फैसलाश् सुना दिया है। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच सदस्यीय संविधान पीठ ने इस राजनीतिक दृष्टि से बेहद संवेदनशील 134 साल से भी अधिक पुराने इस विवाद का पटाक्षेप कर दिया है, जिसे लेकर मिली जुली प्रतिक्रिया सामने आ रही है। जानिए इस फैसले पर नेताओं के क्या है विचार गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट किया कि श्रीराम जन्मभूमि पर सर्वसम्मति से आये सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का मैं स्वागत करता हूं। मैं सभी समुदायों और धर्म के लोगों से अपील करता हूं कि हम इस निर्णय को सहजता से स्वीकारते हुए शांति और सौहार्द से परिपूर्ण एक भारत-श्रेष्ठ भारत के अपने संकल्प के प्रति कटिबद्ध रहें।श्दशकों से चले आ रहे राम जन्मभूमि के इस कानूनी विवाद को आज इस निर्णय से अंतिम रूप मिला है। मैं भारत की न्याय प्रणाली व सभी न्यायमूर्तियों का अभिनन्दन करता हूं। गृह मंत्री ने लिखा कि श्री राम जन्मभूमि कानूनी विवाद के लिए प्रयासरतय सभी संस्थाएं, पूरे देश का संत समाज और अनगिनत अज्ञात लोगों जिन्होंने इतने वर्षों तक इसके प्रयास किया मैं उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता हूं।

बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने इस फैसले का स्वागत करते हुए ट्वीट किया कि परमपूज्य बाबा साहेब डा भीम राव अम्बेडकर के धर्मनिरपेक्ष संविधान के तहत सुप्रीम कोर्ट द्वारा रामजन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद के संबंध में आज आम सहमति से दिए गए ऐतिहासिक फैसले का सभी को सम्मान करते हुए अब इसपर सौहार्दपूर्ण वातावरण में ही आगे का काम होना चाहिए ऐसी अपील व सलाह। अयोध्या मामले पर उच्चतम न्यायालय के फैसले को ऐतिहासिक बताते हुए केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि इससे देश का सामाजिक ताना बाना और मजबूत होगा। उन्होंने ट्वीट किया कि माननीय उच्चतम न्यायालय का यह फैसला ऐतिहासिक है। इस फैसले से भारत का सामाजिक ताना- बाना और मजबूत होगा। उन्होंने आगे लिखा कि मैं सभी से अनुरोध करता हूं कि इस फैसले को समभाव और उदारता से लिया जाये। मैं लोगों से इस ऐतिहासिक फैसले के बाद शांति और सद्भाव बनाये रखने की अपील भी करता हूं।कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने शनिवार को कहा कि अयोध्या मुद्दे पर भारत की सर्वोच्च अदालत ने फैसला दिया है। सभी पक्षों, समुदायों और नागरिकों को इस फैसले का सम्मान करते हुए हमारी सदियों से चली आ रही मेलजोल की संस्कृति को बनाए रखना चाहिए। हम सबको एक होकर आपसी सौहार्द और भाईचारे को मजबूत करना होगा। आध्यात्मिक गुरू श्रीश्री रविशंकर ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद भूमि विवाद मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि इससे हिंदू तथा मुस्लिम समुदायों के सदस्यों को खुशी तथा राहत मिली है। उन्होंने ट्वीट किया कि मैं तहे दिल से माननीय उच्चतम न्यायालय के ऐतिहासिक फैसले का स्वागत करता हूं। इससे दोनों समुदाय के लोगों को खुशी और लंबे समय से चल रहे विवाद से राहत मिली है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उपाध्यक्ष एवं राममंदिर आंदोलन की प्रमुख नेता साध्वी उमा भारती ने ट्वीट किया कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय के इस दिव्य फैसले का स्वागत। माननीय अशोक सिंघल जी को स्मरण करते हुए उनको शत्-शत् नमन। उन्होंने लिखा कि वे सब, जिन्होंने इस कार्य के लिए अपने जीवन की आहुति दे दी, उन्हें श्रद्धांजलि एवं आडवाणी जी का अभिनंदन जिनके नेतृत्व में हम सब लोगों ने इस महान कार्य के लिए अपना सर्वस्व दांव पर लगा दिया था।

अयोध्या फैसले के बाद प्रयागराज में पसरा सन्नाटा

प्रयागराज उच्चतम न्यायालय द्वारा संवेदनशील रामजन्मभूमि- बाबरी मस्जिद भूमि विवाद पर सर्वसम्मति से आए मंदिर के पक्ष में फैसले के बाद शहर में सन्नाटा पसरा हुआ है। डीएम भानुचंद्र गोस्वामी ने उच्चतम न्यायालय के फैसले को देखते हुए पूरब का ऑक्सफोर्ड कहे जाने वाले इलाहाबाद विवि समेत शहर के सभी शिक्षण संस्थानों को शनिवार से 11 नवंबर तक बंद कर दिया है। सिविल लाइंस बस अड्डा, इलाहाबाद रेलवे स्टेशन जंक्शन, प्रयागघाट, इलाहाबाद सिटी स्टेशन पर सुरक्षा बलों का जबरदस्त पहरा लगा हुआ है। फाफामऊ से शहर की ओर प्राइवेट वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। बाजार पूरी तरह से बंद है। कुछ मेडिकल की दुकानें खुली नजर आई। फैसला आने के बाद शहर में सन्नाटा पसरा है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सत्यार्थ अनिरुद्ध प्रकाश ने कहा कि शहर का माहौल शांतिपूर्ण है। संवेदनशील क्षेत्र खुल्दाबाद चौक और पुराने शहर में कई स्थानों पर फैसला आने के बाद भारी संख्या में पुलिस फोर्स ने फ्लैग मार्च किया।

जजों के असाधारण साहस को सलाम, 1.3 अरब लोग कर रहे थे इंतजार

नई दिल्ली महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और वह समाज के अलग-अलग वर्ग की दिलचस्प कहानियों और जानकारी को साझा करते रहते हैं। लेकिन इस बार उन्होंने अयोध्या में विवादित जमीन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर ट्विटर के जरिए प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने पांचों जजों का जिक्र करते हुए कहा कि 1.3 अरब लोग फैसले का इंतजार कर रहे थे। फैसला देने वाली बेंच ने असाधारण साहस और जबरदस्त सोच दिखाई। मैं उन्हें कर्तव्य निभाने और देश में न्याय प्रक्रिया को जारी रखने के लिए सलाम करता हूं। सुप्रीम कोर्ट ने अयोध्या में विवादित जमीन पर राम मंदिर निर्माण का फैसला शनिवार को सुनाया। 5 जजों की संविधान पीठ ने सुबह सर्वसम्मति से फैसला दिया। चीफजस्टिस रंजन गोगोई ने कहा कि विवादित 2.77 एकड़ जमीन रामलला विराजमान को दी जाए, मंदिर निर्माण के लिए 3 महीने में ट्रस्ट बने और इसकी योजना तैयार की जाए। चीफ जस्टिस ने मस्जिद बनाने के लिए मुस्लिम पक्ष को 5 एकड़ वैकल्पिक जमीन दिए जाने का फैसला सुनाया, जो कि विवादित जमीन की तुलना में दोगुनी है। चीफ जस्टिस ने कहा कि ढहाया गया ढांचा ही भगवान राम का जन्मस्थान है और हिंदुओं की यह आस्था निर्विवादित है।

प्रो लीग से ओलिंपिक की तैयारी बेहतर होगी-रूपिंदर

नई दिल्ली-भारत जनवरी में एफआईएच प्रो लीग के दूसरे सीजन में पदार्पण करेगा और टीम के सीनियर ड्रैगफ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह का मानना है यह तोक्यो ओलिंपिक के लिए आदर्श तैयारी का काम करेगा। पिछले साल टूर्नमेंट के पहले सत्र से बाहर रहने के बाद भारतीय पुरुष हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में अपने अभियान की शुरुआत अगले साल जनवरी में घरेलू सरजमीं पर नीदरलैंड के खिलाफ करेगी। पिछले हफ्ते भुवनेश्वर में ओलिंपिक क्वॉलिफायर के साथ राष्ट्रीय टीम में वापसी करने वाले रूपिंदर ने कहा कि प्रो लीग से 2020 ओलिंपिक से पहले भारतीय टीम को अपने मजबूत और कमजोर पक्षों का उचित अनुमान लग जाएगा।

पठान को दिखती है धोनी की झलक

नयी दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज इरफान पठान का मानना है कि बांग्लादेश के कप्तान महमूदुल्लाह रियाद में महेन्द्र सिंह धोनी की कप्तानी की झलक दिखती है। महमूदुल्लाह की अगुवाई में बांग्लादेश ने तीन मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के पहले मुकाबले में भारत को हराया था। यह बांग्लादेश की भारत पर टी20 में पहली जीत थी।

पठान ने स्टार स्पोर्ट्स के 'नेरोलैक क्रिकेट लाइव' कार्यक्रम में कहा कि जब आप दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के खिलाफ मैच जीतते है तो आपका आत्मविश्वास बढ़ता है। महमूदुल्लाह ने मैच के दौरान जिस तरह के फैसले लिये उसमे महान कप्तान की झलक दिखी। उन्होंने कहा कि उनकी कप्तानी में महेन्द्र सिंह धोनी की झलक दिखती है क्योंकि उन्होंने पावरप्ले के कामचलाऊ गेंदबाजों को आजमाया। धोनी भी कप्तान के तौर पर ऐसी रणनीति अपनाते रहे हैं।

बांग्लादेश हालांकि जीत की लय को बरकरार नहीं रख पाया और राजकोट में खेले गये दूसरे एकदिवसीय में टीम ने आसानी से घुटने टेक दिये। श्रृंखला का तीसरा और निर्णायक मुकाबला रविवार को नागपुर में खेला जाएगा। ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि तीसरे मुकाबले में बांग्लादेश की सफलता काफी हद तक विकेटकीपर मुशफिकुर रहीम के प्रदर्शन पर निर्भर करेगी। हरभजन ने कहा कि मुशफिकुर रहीम ऐसे खिलाड़ी हैं जिनके पास काफी अनुभव है। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी के खिलाफ सहज हैं। बांग्लादेश के लिए उन्हें सबसे ज्यादा जिम्मेदारी उठानी होगी। उन्हें महमुदूल्लाह से ज्यादा अनुभव है।

पंत की आलोचना पर रोहित शर्मा का जवाब

मैदान पर जो करना चाहते है उसे करने दें

नागपुर। कार्यवाहक कप्तान रोहित शर्मा ने शनिवार को आलोचनाओं से घिरे ऋषभ पंत का समर्थन करते हुए आलोचकों से कहा कि उसे छोड़ दें क्योंकि वह सिर्फ टीम प्रबधंन की रणनीति पर अमल की कोशिश कर रहा है। कई मौकों पर पंत के शाट चयन की काफी आलोचना हुई है और राजकोट में बांग्लादेश के खिलाफ दूसरे टी20 में उनकी खराब विकेटकीपिंग की भी आलोचना हुई।

कप्तान रोहित ने बांग्लादेश के खिलाफ यहां टी20 श्रृंखला के निर्णायक मैच से पूर्व कहा कि हर दिन, हर मिनट ऋषभ पंत के बारे में काफी चर्चायें चल रही हैं। मुझे यही लगता है कि उसे वही करने देना चाहिए जो वह मैदान पर करना चाहता है। मैं हर किसी से अनुरोध करूंगा कि कुछ समय के लिये ऋषभ पंत से निगाहें हटा लीजिये। उन्होंने कहा कि वह निर्भीक क्रिकेटर है और हम (टीम प्रबंधन) उसे वही आजादी देना चाहते हैं। और अगर आप कुछ समय के लिये अपनी निगाहें उससे दूर रखोगे तो इससे वह बेहतर प्रदर्शन कर पायेगा। रोहित दिल्ली के इस युवा खिलाड़ी की लगातार आलोचना से खुश नहीं हैं। उन्होंने इस पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि वह 22 साल का युवा है जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में खुद का मुकाम हासिल करने की कोशिश कर रहा है। वह मैदान पर कुछ भी करता है लोग उसके बारे में बात करना शुरू कर देते हैं। यह ठीक नहीं है। मुझे लगता है कि हमें उसे उसका क्रिकेट खेलने देना चाहिए जो वास्तव में वह करना चाहता है।

लय में लौटी भारतीय टीम को बांग्लादेश के खिलाफ रहना होगा चौकन्ना

नागपुर। बांग्लादेश के खिलाफ रविवार को यहां खेले जाने वाले तीसरे और आखिरी टी20 मैच में भारतीय टीम की नजरें इस साल घरेलू सरजमीं पर सबसे छोटे प्रारूप की पहली श्रृंखला जीतने पर होगी। कप्तान विराट कोहली सहित कुछ अन्य सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में भारतीय टीम श्रृंखला अपने नाम करने के साथ अगले साल खेले जाने वाले टी20 विश्व कप के लिए कोर खिलाड़ियों की पहचान करना चाहेगी।

श्रृंखला के पहले दो मैचों में हालांकि इस मामले में लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल की टीम में सफल वापसी के अलावा ज्यादा फायदा नहीं हुआ। चहल ने एक बार फिर साबित किया कि वह बीच के ओवरों में उनके पास विकेट निकालने की क्षमता है। राजकोट में खेले गये दूसरे टी20 में चहल की अगुवाई में भारतीय गेंदबाजों ने बांग्लादेश को छह विकेट पर 153 रन पर रोक दिया। फिर रही सही कसर कप्तान रोहित शर्मा में 85 रन की ताबड़तोड़ पारी खेलकर पूरी कर दी।

चाइनामैच गेंदबाज कुलदीप यादव की जगह टीम में चुने गये वाशिंगटन सुंदर काफी किफायती रहे लेकिन विकेट चटकाने के मामले में चहल से पीछे छूट गये। तेज गेंदबाज खलील अहमद ने दोनों मैचों में रन लुटाये जिससे इस मैच शारदुल ठाकुर को अंतिम 11 में जगह मिल सकती है जो दीपक चाहर के साथ नयी गेंद साझा कर सकते हैं।

रोहित ने पहले दोनों टी20 मैचों की टीम में कोई बदलाव नहीं किया जिससे मनीष पांडे, संजू सैमसन और राहुल चाहर जैसे खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम में ही बैठे रहे। नागपुर में अगर उन्हें मौका नहीं मिला तो उन्हें खुद को साबित करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टी20 श्रृंखला का इंतजार करना होगा। टीम में जब सीनियर खिलाड़ियों की वापसी होगी तब भी भारत को टीम संयोजन बनाने के लिए काफी मसक्कत करनी होगी खासकर बल्लेबाजी विभाग में जहां टीम के पास आस्ट्रेलिया और इंग्लैंड की तरह बड़े शाट खेलने वाली खिलाड़ियों की कमी है।

श्रेयस अय्यर ने कम समय में खुद को साबित किया है जबकि लोकेश राहुल अभी तक प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे है। नये हरफनमौला शिवम दूबे को भी अपनी प्रतिभा से न्याय करना होगा। भारतीय टीम में नये खिलाड़ियों के साथ अनुभवी शिखर धवन और युवा विकेटकीपर ऋषभ पंत भी टीम में जगह बनाये रखने के लिए संघर्ष कर रहे है। धवन बल्ले से जबकि पंत बल्ले के साथ विकेट के पीछे भी अपने खराब प्रदर्शन के कारण आलोचना झेल रहे है। रविवार को दोनों खिलाड़ियों के पास आलोचकों को चुप करने का एक मौका होगा। भारतीय टीम जीत की दावेदार होगी लेकिन तमीम इकबाल और शाकिब अल हसन जैसे सीनियर खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी में बांग्लादेश एक बार फिर दिल्ली की तरह चौका सकती है।

राजकोट में दूसरे टी20 में भी टीम को अच्छी शुरूआत मिली लेकिन वे इसका फायदा नहीं उठा सके और टीम 20 ओवर में सिर्फ 153 रन बना सकी। बांग्लादेश के लिए 20 साल के लेग स्पिनर अमीनुल इस्लाम ने अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है। उन्होंने किफायती रहते हुए चार विकेट चटकाए। बांग्लादेश को हालांकि तेज गेंदबाजी में सुधार करना होगा खासकर टीम के मुख्य गेंदबाज मुस्ताफिजूर रहमान भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने में नाकाम रहे है।

रोहित शर्मा (कप्तान), खलील अहमद, युजवेंद्र चहल, दीपक चाहर, राहुल चाहर, शिखर धवन, शिवम दुबे, श्रेयस अय्यर, मनीष पांडे, कृनाल पंड्या, ऋषभ पंत, लोकेश राहुल, संजू सैमसन, वाशिंगटन सुंदर और शारदुल ठाकुर।

महमूदुल्लाह रियाद (कप्तान), ताईजुल इस्लाम, मोहम्मद मिथुन, लिटन दास, सौम्य सरकार, नईम शेख, मुशफिकुर रहीम, आफिफ हुसैन, मोसादेक हुसैन सेकत, अमीनुल इस्लाम बिप्लब, अराफात सनी, अबू हिदेर, अल अमीन हुसैन, मुस्तफिजूर रहमान और शफीउल इस्लाम। समय- मैच शाम सात बजे शुरू होगा।

उपलब्धता की पुष्टि

नयी दिल्ली, आठ नवंबर (भाषा) भारत के सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी सुमित नागल और रामकुमार रामनाथन के पाकिस्तान के खिलाफ 29-30 नवंबर को तटस्थ स्थल पर होने वाले मुकाबले के लिये उपलब्धता की पुष्टि करने के बाद डेविस कप टीम में चुन लिये जायेंगे। प्रज्नेश गुणेश्वरन इस मुकाबले के लिये अनुपलब्ध रहेंगे क्योंकि वह मुकाबले के पहले दिन शादी कर रह रहे हैं। नागल ने अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) को गुरूवार रात को पुष्टि भेजी जबकि रामकुमार ने उपलब्धता की पुष्टि कुछ दिन पहले की। एआईटीए के एक अधिकारी ने कहा, ''सुमित ने नये कप्तान रोहित राजपाल से बात करने के बाद ईमेल भेजकर अपनी उपलब्धता की पुष्टि की।'' नागल और रामकुमार दोनों अब उपलब्ध हैं तो भारत के पास पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले के लिये अपने सर्वश्रेष्ठ एकल खिलाड़ी मौजूद होंगे।

पिछले 5 वर्षों में गेंदबाजों के लिए सबसे घातक साबित हुए रोहित, कई मामलों में विराट पर भारी

नई दिल्ली -बांग्लादेश के खिलाफ टी-20 इंटरनैशनल सीरीज के पहले मैच, जो दिल्ली में खेला गया था, में भारत को हैरान करने वाली हार का सामना करना पड़ा। यह टी-20 क्रिकेट में भारत की बांग्लादेश के खिलाफ पहली हार थी। इस हार से %गुस्साए% कप्तान रोहित शर्मा ने अगले ही मैच में ताबड़तोड़ 43 गेंदों में 85 रन ठोकते हुए टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। उन्होंने अपनी तूफानी पारी में 6 चौके और 6 छक्के जड़े। इसमें से 3 छक्के तो उन्होंने लगातार एक ही ओवर कूट डाले थे।

यह तो सभी जानते ही हैं कि यह पहला मौका नहीं था, जब रोहित शर्मा विपक्षी गेंदबाजों पर इस तरह बेरहमी से टूटे थे। देखा जाए तो पिछले 5 वर्षों में हिटमैन के बल्ले से क्रिकेट फैन्स को इस तरह कई तूफानी और ऐतिहासिक पारी देखने को मिली है। मौजूदा दौर के रन मशीन कहे जाने वाले विराट कोहली भी कई मामले में उनसे पिछड़े नजर आते हैं। पूर्व तूफानी ओपनर वीरेंदर सहवाग का वह बयान (जिसमें उन्होंने कहा- जो रोहित कर सकते हैं, वह विराट नहीं) इस बात की पुष्टि भी करता है।

सऊदी अरब से हारकर भारत एएफसी -19 चैंपियनशिप क्वालिफिकेशन से बाहर

अल खोबार। अहमद अल्बासास की हैट्रिक की मदद से सऊदी अरब ने भारत को 4-0 से हराकर 2020 एएफसी अंडर-19 चैम्पियनशिप क्वालीफिकेशन की दौड़ से बाहर कर दिया। शुक्रवार को खेले गये मैच के दूसरे मिनट में ही मोहम्मद खलिल मार्रान भारतीय अंडर-19 टीम के गोलकीपर प्रभसुखान सिंह गिल को छकाने में सफल रहे जिससे सऊदी अरब ने खाता खोला। घरेलू मैदान पर खेल रही सऊदी अरब की टीम ने 10वें मिनट में बढ़त को 2-0 कर ली। मिडफिल्डर अल्बासास ने हाज्जा अल्घमंडी के क्रास को गोल में बदल दिया। कोच फ्लोएड पिंटो की टीम ने इसके बाद मैच में वापसी के लिए आक्रमक रुख अपनाया जिससे कमजोर हुई भारतीय रक्षापंक्ति का फायदा उठाते हुए अल्बासास ने मैच के 18 मिनट में अपना दूसरा गोल किया। अल्बासास इसके बाद 28वें मिनट में हैट्रिक पूरी की जिससे सऊदी अरब की टीम 4-0 से आगे हो गयी। इस दौरान निंथोंगानबा मीथेई ने हालांकि पहले हाफ में घरेलू टीम को लगातार परेशान किया।

मध्यांतर से दो मिनट पहले उन्हें गोल करने का शानदार मौका मिला था लेकिन उनका शॉट गोल पोस्ट के करीब से निकल गया। मध्यांतर के बाद भारतीय टीम ने रिकी शाबोंग की जगह मनवीर सिंह को मैदान में उतारा। मनवीर ने मैदान में उतरते ही इस फैसले को सही साबित किया लेकिन 47वें मिनट में विक्रम प्रताप उनके क्रास को गोल में बदलने में सफल नहीं हुए। क्वालीफिकेशन से बाहर हो चुकी भारतीय टीम अपने अंतिम ग्रुप मुकाबले रविवार को यहां अफगानिस्तान से भिड़ेगी।

नियामकों के साथ अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा

नयी दिल्ली। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बृहस्पतिवार को वित्तीय स्थिरता एवं विकास परिषद (एफएसडीसी) की बैठक में अर्थव्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में वित्तीय क्षेत्र के संकट पर भी विचार किया गया। वित्त मंत्री इस परिषद की अध्यक्ष हैं। एफएसडीसी अलग-अलग क्षेत्र के नियामकों का शीर्ष निकाय है।

एफएसडीसी की 21वीं बैठक ऐसे समय हुई है जबकि 2019-20 की पहली तिमाही में अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर घटकर पांच प्रतिशत के छह साल के निचले स्तर पर आ गई है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के कुछ वृहद आर्थिक आंकड़े भी अर्थव्यवस्था की उत्साहवर्धक तस्वीर नहीं दर्शाते हैं। अगस्त में औद्योगिक उत्पादन की वृद्धि दर घटकर 1.1 प्रतिशत के 26 माह के निचले स्तर पर आ गई है। वहीं सितंबर में आठ बुनियादी उद्योगों का उत्पादन 5.2 प्रतिशत घटा है, जो अर्थव्यवस्था में गंभीर सुस्ती की ओर इशारा करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकान्त दास ने बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा, ''कुल मिलाकर बैठक में वृहद आर्थिक मुद्दों तथा अर्थव्यवस्था की स्थिति पर विस्तार से विचार विमर्श किया गया। कुछ अंतर नियामकीय मुद्दों पर भी चर्चा हुई। हमने साइबर सुरक्षा के मुद्दों पर भी चर्चा की।'' उन्होंने कहा कि बैठक में इस बात पर भी चर्चा हुई कि आगे चलकर नियामक कैसा रुख अपनाना चाहिए जिससे विभिन्न नियामक एक-दूसरे के क्षेत्र में दखल बच सकें। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) की स्थिति पर भी विचार विमर्श हुआ। बड़ी संख्या में एनबीएफसी ऐसी हैं जो अच्छी तरह से काम कर रही हैं। दास ने कहा, ''आज भी बड़ी संख्या में एनबीएफसी ऐसी हैं जो बेहतर तरीके से कामकाज कर रही हैं। इनमें से कुछ एनबीएफसी को बाजार से, कुछ को बैंकों से और कुछ तो विदेशी बाजार से भी कोष उपलब्ध हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक शीर्ष 50 एनबीएफसी की नजदीकी निगरानी कर रहा है। एनबीएफसी क्षेत्र की संपत्तियों का 75 प्रतिशत इन 50 एनबीएफसी के पास है। यह मोदी 2.0 सरकार के सत्ता संभालने के बाद एफएसडीसी की दूसरी बैठक थी। करीब दो घंटे तक चली बैठक के बाद वित्त सचिव राजीव कुमार ने कहा, ''यह बैठक काफी रचनात्मक रही और इसमें पूरी वित्तीय प्रणाली और अन्य मुद्दों पर विचार विमर्श हुआ।'' सूत्रों ने बताया कि बैठक में वित्तीय समाधान एवं जमा बीमा (एफआरडीआई) विधेयक पर भी चर्चा हुई। नरेंद्र मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में यह विधेयक पेश किया गया था लेकिन विवादास्पद 'बेल-इन' प्रावधान की वजह से यह पारित नहीं हो पाया था। 'बेल इन' के तहत वित्तीय संस्थानों को धाराशायी होने से बचाया जाता है। इसके लिये कर्जदाताओं के कर्ज को रद्द किया जाता है।

नेस्ले इंडिया का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में 33 प्रतिशत बढ़ा

नयी दिल्ली। रोजमर्रा के उपभोक्ता उत्पाद बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया का शुद्ध लाभ सितंबर में समाप्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 33.46 प्रतिशत बढ़कर 595.41 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी अवधि में कंपनी को 446.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी जनवरी से दिसंबर का वित्त वर्ष मानती है।

कंपनी ने एक बयान में जानकारी दी कि समीक्षावधि में उसकी शुद्ध बिक्री 9.49 प्रतिशत बढ़कर 3,199.31 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह 2,921.99 करोड़ रुपये थी। कंपनी के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक सुरेश नारायण ने कहा कि मैगी, किटकैट, नेस्ले मंच और नेसकैफे आरटीडी अन्य ब्रांड उत्पादों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। समीक्षावधि में कंपनी का कुल व्यय 2,572.32 करोड़ रुपये रहा। यह पिछले साल की इसी अवधि के 2,334.63 करोड़ रुपये के मुकाबले 10.18 प्रतिशत अधिक है।

ब्लेजर ड्रेस में उर्वशी रौतेला ने ढाया कहर

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने चाहे कम फिल्में की हैं लेकिन वह अपने स्टाइल स्टेटमेंट से सबका दिल जीतती रहती हैं। हेट स्टोरी 4 एक्ट्रेस अपने बोल्ड लुक और खूबसूरती के लिए फेमस हैं। अब एक बार फिर हसीना के नए फोटोशूट ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है, जिसकी तस्वीरें उन्होंने खुद इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं। लेटेस्ट फोटोशूट में उर्वशी का खूबसूरत और बेहद हॉट लुक देखने को मिला है। तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखने को मिल रहा है। रेड कलर की ब्लेजर ड्रेस में उर्वशी कहर ढा रही हैं। ड्रेस के साथ उन्होंने मिनिमल मेकअप किया हुआ है। हेयस्टाइल की बात करें तो उर्वशी ने बालों को बांधा हुआ है। उर्वशी बाथटब में लेट कर कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। एक्ट्रेस का ये अंदाज देख आपकी सांसे थम जाएंगी। उर्वशी की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो उर्वशी इन दिनों फिल्म पागलपंती के प्रमोशन में बिजी हैं। इस फिल्म में कृति खरबंदा, पुलकित सम्राट जॉन अब्राहम, अनिल कपूर समेत कई स्टार्स हैं। ये एक कॉमेडी बेस्ट फिल्म हैं। यह फिल्म 22 नवंबर को रिलीज हो रही है।

इंटरनेट पर छाया मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर का ट्रेडिशनल लुक, बहन की शादी में कराया फोटोशूट

मानुषी छिल्लर जिन्होंने 17 सालों के बाद मिस वर्ल्ड का खिताब जीता और भारत को गौरवान्वित किया, न केवल हमें अपने चौंकाने वाले पूल फोटो के साथ बीच पर दिखती हैं, बल्कि अपने बोल्ड फोटोशूट के साथ फैंस का मनोरंजन भी करती रहती हैं। हाल ही में, दिवा ने अपनी बहन की शादी के शूट से अपने परिवार के साथ कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं। आइए मानुषी छिल्लर की कुछ बेहद खूबसूरत नजर आने वाली तस्वीरों पर एक नजर डालते हैं। ब्यूटी क्वीन अपने रॉयल लुक में बिल्कुल स्टनिंग लग रही हैं। इससे पहले मानुषी की एक खूबसूरत दुल्हन के रूप में तस्वीरें वायरल हुई थीं। शानदार ब्राइडल वियर को इंडियन फैशन डिजाइनर सब्यसाची मुखर्जी ने डिजाइन किया था। मानुषी का इंस्टाग्राम अकाउंट उनकी खूबसूरत हॉलिडे पिक्चर्स से भरा है, जहाँ आप देख सकते हैं कि वह पूरी तरह से एक फैशनिस्टा हैं। मानुषी एक फैशन इंस्पिरेशन हैं और अपने फॉलोवर्स, के लिए एक आइकन रही हैं।

करतारपुर समारोह के लिए सिद्धू पहुंचे पाकिस्तान

पंजाब के गुरदासपुर से बीजेपी के सांसद सनी देओल ने गुरुवार को अनाउंस किया कि वह पाकिस्तान के दरबार साहिब गुरुद्वारे जाने के लिए करतारपुर कॉरिडोर जाएंगे। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी इंडिया साइड से गलियारे का उद्घाटन करेंगे, जबकि पाकिस्तान की तरफसे इमरान खान इसका उद्घाटन करेंगे। सांसद सनी देओल ने न्यूज एजेंसी एएनआई के हवाले से कहा, अगर मैं नहीं जाऊंगा तो कौन जाएगा ? यह मेरा क्षेत्र और मेरा घर है। इससे पहले शाम को, कांग्रेस नेता और पंजाब के पूर्व मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू को पाकिस्तान से इन्विटेशन मिला था। जिसके बाद वह सरकार से बार-बार करतारपुर जाने के लिए पॉलिटिकल क्लीयरेंस मांग रहे थे। आखिरकार उनको उद्घाटन में शामिल होने के लिए परमिशन दे दी गई। एक्स प्राइम मिनिस्टर मनमोहन सिंह, पंजाब के सीएम अमरिंदर सिंह, केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी और हरसिमरत कौर बादल उन 550 तीर्थयात्रियों में से हैं, जिनके करतारपुर कॉरिडोर के माध्यम से गुरुद्वारा करतारपुर साहिब में उद्घाटन में जाने की उम्मीद है। यह गलियारा पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के नरोवाल जिले में स्थित अंतर्राष्ट्रीय सीमा से मात्र 4 किलोमीटर दूर करतारपुर में दरबार साहिब के साथ भारत के पंजाब में डेरा बाबा नानक मंदिर को जोड़ेगा। भारत और पाकिस्तान ने 24 अक्टूबर को करतारपुर साहिब कॉरिडोर के संचालन के लिए तौर-तरीकों पर एक समझौते पर साइन किए थे, जो सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव की 550 वीं जयंती से पहले इसके उद्घाटन को लेकर था।

शाहिद संग डिनर करने निकली मीरा, लॉन्ग ड्रेस में दिखा स्टनिंग लुक

शाहिद और मीरा राजपूत बी-टाउन के फेमस कपल में से एक है। हर बार दोनों की एक-साथ की तस्वीरें फैंस का दिल जीतने में कामयाब रहती हैं। शुक्रवार रात कपल को बांद्रा में रेस्टोरेंट के बाहर कैप्चर किया गया। जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। इस दौरान कपल को रेस्टोरेंट के बाहर डिनर के लिए स्पॉट होते देखा गया। लुक की बात करें तो दोनों स्टार्स ने अपने लुक को कैजुअल रखा है। शाहिद की वाइफमीरा ने व्हाइट कलर की लॉन्ग पोल्का ड्रेस वियर की हुई है। इस दौरान कैजुअल मेकअप में ब्राउन कलर के ओपन हेयर्स एक्ट्रेस के लुक को चार-चांद लगा रहे हैं। वहीं स्टार शाहिद कपूर सिर पर हेडबेंड लगाए, ग्रे कलर की जैकेट और ब्लैक कलर की कैपरी में हैंडसम लग रहे हैं। काम की बात करें तो शाहिद ने फिल्म श्कबीर सिंहश् में अपनी धांसू परफार्मेंस के चलते काफी सुर्खियां बटोरी हैं। इन दिनों वो फिल्म जर्सी की शूटिंग कर रहे हैं।

स्टाइलिश लुक में पति हरभजन संग एयरपोर्ट पर स्पॉट हुई गीता

बॉलीवुड एक्ट्रेस गीता बसरा काफी लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं। हालांकि उन्हें क्रिकेटर पति हरभजन सिंह के साथ इवेंट्स और कई जगहों पर स्पॉट किया जाता है। गीता अपनी तस्वीरों की वजह से भी चर्चा में आ ही जाती हैं। इसी बीच एक बार फिर गीता की पति हरभजन और बेटी हिनाया हीर प्लाह के साथ एयरपोर्ट पर देखा गया। एयरपोर्ट की तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। लुक की बात करें तो गीता ग्रे टॉप के साथ मैचिंग प्लाजो पैंट में काफी स्टाइलिश दिख रही हैं। लाइट मेकअप, ओपन हेयर्स और शेड्स उनके लुक को परफेक्ट बना रहे हैं। इस दौरान उन्होंने बैग कैरी किया था। फुटविअर की बात करें तो उन्होंने व्हाइट शूज पेयर किए थे। वहीं हरभजन की बात करें तो वह व्हाइट टी-शर्ट और ट्राउजर में कूल दिखे।

हरभजन ने अपने लुक को कैप और शूज से कंप्लीट किया है। वहीं हिनाया की बात करें तो वह ग्रे ट्रैक सूट में हमेशा की तरह क्यूट दिखीं। तस्वीरों में हिनाया पापा की गोद में सोई दिखीं। गीता और भज्जी की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि लंबे समय एक-दूसरे को डेट करने के बाद गीता ने हरभजन से शादी की। दोनों का रोमांस भी खूब चर्चा में रहा था।

सब्यसाची की साड़ी में खूबसूरत दिखीं दीपिका पादुकोण

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण इन दिनों पति रणवीर सिंह के साथ बेंगलुरु में दोस्त उर्वशी केशवानी की शादी में पहुंची। इस फंक्शन की तस्वीरें और वीडियो सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। तस्वीरों में दीपिका काफी खुश दिख रही हैं। लुक की बात करें को दीपिका डिजाइनर सब्यसाची की साड़ी में बेहद ही खूबसूरत दिख रही हैं। मिनिमल मेकअप, बन, लिपस्टिक उनके लुक को परफेक्ट बना रहा है। दीपिका ने वहां मौजूद लोगों के साथ जमकर पोज दिए। वहीं रणवीर की बात करें तो वह संगीत सेरेमनी में छा गए। वह गली बॉय के रैप सॉन्ग अपना टाइम आएगा को गाते दिखे। दीपिका रणवीर की ये तस्वीरें सोशल साइट पर काफी वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को काफी पसंद कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो दीपिका और रणवीर कबीर खान की फिल्म 83 में नजर आएंगे। फिल्म में रणवीर पूर्व भारतीय कप्तान कपिल देव की भूमिका में हैं, जबकि दीपिका फिल्म में उनकी पत्नी रोमी के किरदार को निभाएंगी। इसके अलावा दीपिका मेघना गुलजार की फिल्म छपाक में भी नजर आएंगी। इसमें उनके साथ विक्रांत मैसी हैं। यह फिल्म 10 जनवरी, 2020 को रिलीज हो रही है। वहीं दीपिका महाभारत पर आधारित एक नई फिल्म में द्रौपदी के किरदार में दिखेंगी।

नो मेकअप में ऐसी दिखीं 36 की कैटरीना

बॉलीवुड हसीनाएं बीते कई सालों से अपने एयरपोर्ट लुक पर काफी ध्यान दे रही हैं। एक्ट्रेसेस का ये लुक किसी ना किसी वजह से चर्चा में आ ही जाता है। वेस्टर्न लुक हो या ट्रेडिशनल हर आउटफिट सेलेब्स मे फैशन गोल देते हैं। हाल ही में कैटरीना कैफ और डेजी शाह को मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। बॉलीवुड एक्ट्रेस कैटरीना कैफ बी-टाउन की सबसे टैलेंटेड एक्ट्रेस में से एक है। एक्ट्रेस को हर इवेंट में अपनी स्टाइल के लिए जाना जाता है। वह शॉर्ट ड्रेस में जितनी हॉट दिखती हैं उतनी ही साड़ी में नजडर आती हैं। कैटरीना को आज एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया। लुक की बात करें तो 36 की कैटरीना ट्रैक सूट में नजर आ रही हैं। ब्लैक शेड्स और ओपन हेयर्स कैटरीना के लुक को चार-चांद लगा रहे हैं। नो मेकअप लुक में भी कैटरीना काफी खूबसूरत दिख रही हैं। इसके साथ उन्होंने व्हाइट शूज पेयर किए हैं। काम की बात करें तो कैटरीना इन दिनों फिल्म सूर्यवंशी की शूटिंग में बिजी हैं। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार हैं।

राष्ट्रीय क्राइम नज़र
एंव CNLIVENEWS.COM
उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में आवश्यकता है ब्यूरो चीफ, तहसील/ ब्लाक स्तर पर संवाददाता, छायाकार एंव विज्ञापन प्रतिनिधि की।
अनुभवी रिपोर्टर्स एंव प्रतिनिधियों को वरीयता दी जायेगी।
Website:https://crimenazarnews.com, https://cnlivenews.com
Email: crimenazarnews@gmail.com
सम्पर्क सूत्रः 7860786783 9454885890

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एंव सम्पादक सै0 शाहिद मेंहदी रिज़वी द्वारा साईं आफसेट प्रिन्टर्स निकट वासुदेव भवन भातखण्डे के पीछे कैसरबाग लखनऊ से मुद्रित एंव द्वितीय तल, चैहान प्लाज़ा, तहसीनगंज, ठाकुरगंज, हरदोई रोड लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादकः सै0 शाहिद मेंहदी रिज़वी, उप-सम्पादकः सै0 नासिर मेंहदी रिज़वी, प्रबन्ध सम्पादकः फिज़्ज़ा रिज़वी, छायाकारः सज्जाद बाक़र, क्राइम रिपोर्टरः सै0 सलमान हुसैन, विधि सलाहकारः आमिर नक़वी (अधि0), पवन श्रीवास्तव (अधि0), अनुराग श्रीवास्तव (अधि0), जितेन्द्र प्रताप सिंह (अधि0), नीतिवान अवस्थी (अधि0), विनोद श्रीवास्तव (अधि0), वेद प्रकाश मिश्रा (अधि0) । इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों का न्यायक्षेत्र माननीय न्यायालय लखनऊ होगा। RNI NO.: UPHIN/2010/35797